हरिभूमि
रायपुर भूमि

फायरमैन की हकीकत...शरारत से मना किया तो बच्चे ने फूंक दी आधा दर्जन गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र में संतोषी नगर में एक ही रात में तीन दोपहिया, एक ऑटो तथा एक मिल्क प्रोडक्ट के गोडाउन में आगजनी की घटना से हड़कंप मच गया। आगजनी की घटना शनिवार-दरमियानी रात की है। आक्रोशित लोगों ने थाने का घेराव किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए टिकरापारा पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की तो गाड़ियों में तथा गोदाम में आग लगाने वाला फायरमैन के बजाय एक 10 साल का नाबालिग ⏭ शेष पेज 13 पर

1 सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल से हुई पुष्टि

2 संतोषी नगर में देर रात तीन दोपहिया, एक ऑटो तथा गोदाम में पेट्रोल डालकर लगाई थी आग

आग फैलने से गोदाम गाड़ियां चपेट में आईं

बच्चे ने जिस दोपहिया की सीट पर पेट्रोल डालकर आग लगाई थी। वह फैलकर पास खड़ी अन्य गाड़ियों तक पहुंच गई। इस वजह से आग की चपेट में आने से ऑटो सहित तीन गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। गाड़ियां एक मिल्क प्रोडक्ट गोडाउन के पास पार्क की गई थीं। इसलिए आग की लपटें मिल्क प्रोडक्ट गोडाउन तक पहुंच गईं। आग की चपेट में आने से लाखों रुपए के मिल्क प्रोडक्ट जलकर खाक हो गए।

खेलने से मना किया तो बना फायर बाबा

पुलिस ने बच्चे से गाड़ियों में आग लगाने का कारण पूछा तो बच्चे ने बताया कि जहां गाड़ियां खड़ी होती हैं, वह वहां अपने अन्य दोस्तों के साथ खेलने के लिए जाता है। आसपास के लोगों ने बच्चे को तथा उसके साथियों को खेलने से मना करते हुए उनके ऊपर पानी डाल दिया। इसलिए बच्चा आक्रोशित हो गया। बच्चे ने पानी डालने वाले से बदला लेने उसकी दोपहिया की सीट जलाने योजना बनाई। देर रात बच्चे ने एक गाड़ी से पेट्रोल निकालकर गाड़ी की सीट पर डालकर आग लगा दी। सीट फोम की थी, इस वजह से आग की लपटें तेजी से फैलकर अन्य गाड़ियों से होते हुए गोदाम तक पहुंची और अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद बच्चा बुरी तरह से डर गया और चुपचाप अपने घर जाकर सो गया।

खबर संक्षेप

वायर इंडस्ट्रीज में धावा, डेढ़ लाख की चोरी

रायपुर। उरला थाने में एक वायर इंडस्ट्रीज के संचालक ने अज्ञात चोर के खिलाफ 1.45 लाख रुपए के सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मां गायत्री वायर इंडस्ट्रीज के संचालक पंकज मिश्रा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। पंकज ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर दीवार फांदकर फैक्ट्री में घुसा और वहां रखे कीमती उपकरण चोरी कर ले गया। घटना एक माह पूर्व 18 अक्टूबर की है।

पार्किंग विवाद पर प्रॉपर्टी डीलर के साथ मारपीट

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक प्रॉपर्टी डीलर ने एक युवक के खिलाफ पार्किंग विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रगति नगर निवासी राजीव अहिरवार ने अपने पड़ोसी सोनू पात्रे के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। राजीव ने पुलिस को बताया कि उसने सोनू को अपने दोपहिया व्यवस्थित तरीके से पार्क करने के लिए कहा। इस बात से नाराज होकर सोनू ने राजीव के साथ मारपीट की।

सड़क किनारे लेटा था, कार की चपेट में आकर मौत

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र में सड़क पर लेटे एक व्यक्ति के ऊपर कार चढ़ने से मौके पर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर गोढ़ी के तिवरैया मोड़ के पास एक पान ठेला के पास बने चबूतरा में कुछ लोग बैठे बात कर रहे थे। मनीराम वर्मा पान ठेला के करीब जमीन पर लेटे बात कर रहा था। इस दौरान कार सीजी 04 क्यूएल 8613 के चालक ने लापरवाही से कार चलाते हुए पान ठेला के पास बने चबूतरे को तोड़ते हुए मनीराम के ऊपर कार चढ़ा दी। सिर पर गंभीर चोट लगने से मनीराम की मौके पर ही मौत हो गई।

पैसे नहीं देने पर चाकू से युवक पर किया हमला

रायपुर। देवेंद्र नगर थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ पैसे नहीं देने पर चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई। राकेश यादव ने आयुष ठाकुर तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। राकेश ने पुलिस को बताया कि वह अपने दोपहिया से पहचान के एक व्यक्ति को छोड़ने गया था। वापसी के दौरान आयुष तथा उसके साथी राकेश की दोपहिया को ओवरटेक कर रोक लिए और पैसों की मांग की। राकेश ने पैसे देने से इंकार किया तो आयुष ने चाकू से राकेश के जांघ पर वार कर दिया।

हाईवा चालक के साथ मारपीट, शिकायत दर्ज

रायपुर। देवेंद्र नगर थाने में एक हाईवा चालक ने आधा दर्जन लड़कों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। धमतरी निवासी ढालेंद्र कुमार साहू ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। ढालेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार देर रात रेत खाली करने पंडरी कपड़ा मार्केट गया था। इस दौरान उसने हाईवा के सामने खड़ी दोपहिया हटाने के लिए कहा, इस बात को लेकर बाइक के पास खड़े लड़के तथा एक अन्य दोपहिया में आए लड़कों ने हाईवा चालक और उसके कंडक्टर के साथ मारपीट की।

सूदखोर तोमर का पुलिस ने निकाला जुलूस बेहोश होने का नाटक करता रहा बदमाश

ग्वालियर की एक रिहायशी कॉलोनी में किराए पर फ्लैट लेकर काट रहा था फरारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक्सटार्शन, मारपीट, हत्या की कोशिश, अपहरण, सूदखोरी सहित कई गंभीर अपराधों के मास्टर माइंड वीरेंद्र तोमर को गिरफ्तार करने पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूदखोर को दबोचने पुलिस ने कई राज्यों में छापे की कार्रवाई की, तब उसकी गिरफ्तारी हो सकी। सूदखोर तोमर भाइयों को दबोचने पुलिस की पिछले पांच महीने में अलग-अलग राज्यों में पांच बार छापे की कार्रवाई कर चुकी थी। छठवीं बार छापे की कार्रवाई में पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर वीरेंद्र को ग्वालियर की एक रिहायशी कॉलोनी से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

वीरेंद्र को गिरफ्तार कर पुलिस उसे रविवार को दोपहर 12 बजे के करीब रायपुर लेकर पहुंची। इसके बाद पुलिस ने बनियान तथा लोवर में उसका जुलूस निकाला। जुलूस निकालने के दौरान वीरेंद्र ने बेहोश होने का नाटक किया, तब पुलिस ने उसे घसीटकर खड़ा कराया और उसे पुनः पैदल चलवाया। वीरेंद्र को पुलिस पुरानी बस्ती थाने से पैदल उसके घर तक ले जाने वाली थी, लेकिन वीरेंद्र के नाटक को देखते हुए पुलिस उसे आधे रास्ते से ही वापस थाने ले आई।

हरिभूमि फॉलोअप

पॉवर कट कराने के बाद मिस्त्री बनकर फ्लैट में दबिश

वीरेंद्र जिस फ्लैट में रहता था, उसकी पुष्टि होने के बाद पुलिस टीम पहुंचती तो वीरेंद्र पुलिस को चकमा देकर भाग सकता था। इसके लिए रायपुर के पुलिस अफसरों ने ग्वालियर पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर कॉलोनी का पॉवर कट करने की योजना बनाई। इसके बाद शनिवार देर शाम कॉलोनी का पॉवर कट कराया। पॉवर कट होने के बाद पुलिसकर्मी वीरेंद्र के फ्लैट में बिजली मिस्त्री बनकर घुसे। पुलिसकर्मियों ने वीरेंद्र को उसके फ्लैट से फाल्ट होने का झांसा दिया। घर में किसी और के नहीं होने की पुष्टि के बाद पुलिस ने वीरेंद्र को दबोच लिया।

महिला पुलिसकर्मी के साथ झूमाझटकी

जुलूस निकालने के दौरान वीरेंद्र ने बेहोश होने का नाटक किया। इस दौरान वीरेंद्र की पत्नी बीच सड़क हंगामा करने लगी। वीरेंद्र की पत्नी पुलिस पर उसकी हत्या करने की साजिश रचने का आरोप लगाने लगी। इस दौरान वीरेंद्र की पत्नी महिला पुलिसकर्मी के साथ झूमाझटकी करने लगी। पुलिस की सख्ती के आगे वीरेंद्र की पत्नी सहम गई और कुछ देर हंगामा करने के बाद शांत हो गई।

सर्विलांस से मिली टीप

हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद पुलिस ने वीरेंद्र तथा रोहित के करीबियों तथा उनकी पत्नियों के मोबाइल नंबर को सर्विलांस में ले लिया था। वीरेंद्र को उसके एक करीबी ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने की जानकारी दी, जिसे पुलिस ने ट्रेस कर लिया। पुलिस ने मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल के साथ लोकेशन सर्च की तो वह ग्वालियर का होना पाया गया। इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें ग्वालियर रवाना की गईं।

रेकी करने के बाद गिरफ्तारी

लोकेशन ट्रेस होने के बाद पुलिस की टीम ने मोबाइल नंबर के लोकेशन के आधार पर उस कॉलोनी की निगरानी की, जहां वह रह रहा था। उस फ्लैट तथा कॉलोनी की पुलिस ने कई दिनों तक निगरानी की। वीरेंद्र के वहां होने की पुष्टि के बाद टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने इसकी जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी।

इन राज्यों में छापेमारी

वीरेंद्र तथा रोहित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली तथा उत्तरप्रदेश में पूर्व में छापे की कार्रवाई कर चुकी है। कई बार तो स्थिति ऐसी रही कि पुलिस के पहुंचने के पहले सूदखोर भाई नियत स्थान से फरार हो जाते थे और पुलिस बैरंग लौट जाती थी। इसलिए पुलिस ने इस बार सतर्कता बरतते हुए कार्य किया, जिससे वीरेंद्र तोमर को पुलिस के आने की भनक नहीं लग पाई।

पूछताछ में कई अहम खुलासे होना बाकी

वीरेंद्र जिस फ्लैट में किराए से रह रहा था, उस फ्लैट को उसने किसके माध्यम से किराए पर लिया था। इसके अलावा फ्लैट उसने खुद के पहचानपत्र से लिया था या किसी अन्य के, इस बात की जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाई है। वीरेंद्र फरारी के दौरान किन-किन राज्यों में कब-कब रुका, उसके भाई रोहित से उसका संपर्क हो पाया है या नहीं, इन सब बातों का खुलासा वीरेंद्र से विस्तृत पूछताछ के बाद ही हो पाएगा। फरारी के दौरान वीरेंद्र ने कितने सिम के साथ मोबाइल का इस्तेमाल किया। फरारी में उसका मदद करने वाला कौन था। इन सब बातों का खुलासा होना अभी बाकी है।

पुरानी बस्ती के 4 परिवारों को राहत, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने कहा- शिकायतकर्ता ने किया गुमराह

डॉ. सलीम राज ने प्रभावित परिवारों से की मुलाकात कहा- आपके दस्तावेज सही, कोई कार्रवाई नहीं होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के ब्राह्मणपारा वार्ड स्थित पुरानी बस्ती के 4 परिवारों ने अब राहत की सांस ली है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने साफ तौर पर कहा है कि बोर्ड की जिस जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत आई थी, वह जगह रहवासी स्थल से 200 मीटर दूरी पर है और पूरी तरह सुरक्षित है। इसलिए पांच दशक पुराने मकान व दुकानों को हटाया नहीं जाएगा। शिकायतकर्ता मुतवल्ली ने गलत जानकारी देकर वक्फ बोर्ड को गुमराह किया है, जिस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोगों को त्योहार के समय बोर्ड द्वारा नोटिस दिए जाने से होने वाली असुविधा के लिए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने खेद जताया है। दरअसल शनिवार को छत्तीसगढ़ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने पुरानी बस्ती पहुंचकर स्थल प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और भाजपा के वरिष्ठ नेता संदीप शर्मा तथा ब्राह्मणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू के साथ स्थल निरीक्षण किया। स्थल निरीक्षण के बाद डॉ. सलीम राज ने कहा कि कब्रिस्तान की जगह पूर्व मध्यप्रदेश के समय की है, जिसका खसरा नंबर पहले अलग था, बाद में वह बदल गया है। यह जगह निर्माण स्थल से 200 मीटर दूरी पर है, निरीक्षण में हमने पाया कि वह जमीन पूरी तरह सुरक्षित है, उसमें किसी तरह का कोई अवैध कब्जा नहीं है। ⏭ शेष पेज 13 पर

ये था मामला

पुरानी बस्ती इलाके में एक अरसे से रहने वाले 4 परिवारों को छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने दीपावली त्योहार के समय नोटिस दिया था, जिनमें डॉ. जौहरी, महराजा स्वीट्स के संचालक राजेश कुमार, कान्हा प्रोविजन स्टोर्स के संचालक अरविंद अग्रवाल शामिल का नाम था। नोटिस में वक्फ बोर्ड का दावा था कि पुरानी बस्ती क्षेत्र में वक्फ बोर्ड की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत आई है, इसलिए जमीन के दस्तावेज बोर्ड कार्यालय में जमा कराएं। प्रभावित परिवारों ने नोटिस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उनके पास जमीन के पूरे दस्तावेज हैं, नगर निगम को हर साल मकान और दुकान का टैक्स देते हैं, बोर्ड अपना कागज दिखाए और खसरा नंबर चेक करे, त्योहार के समय नोटिस भेजकर जबरिया परेशान करना गलत है। इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता संदीप शर्मा, ⏭ शेष पेज 13 पर

कोल घोटाले के आरोपी निखिल की पत्नी समेत अन्य के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खम्हारडीह थाने में एक युवती ने कोल घोटाले के आरोपी निखिल चंद्राकर की पत्नी सहित अन्य के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि जिस युवती ने निखिल की पत्नी के खिलाफ थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है, वह निखिल की एक्स गर्लफ्रेंड है। युवती ने महत्वपूर्ण दस्तावेज, सोने के जेवर तथा नकदी 40 हजार रुपए चोरी होने की शिकायत की है।

- तीन साल पहले की घटना, निखिल की पूर्व प्रेमिका ने दर्ज कराई शिकायत

राजीव नगर निवासी ज्योति गुप्ता ने निखिल की पत्नी तलविंदर कौर उर्फ चिकी चंद्राकर के अलावा स्पर्श गुप्ता, इशिता चंद्राकर उर्फ हनी चंद्राकर तथा अन्य के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। ज्योति ने पुलिस को बताया कि तीन वर्ष पूर्व 11 नवंबर ⏭ शेष पेज 13 पर

ठंड के असर से सर्द हुई शहर की रात अंबिकापुर-बलरामपुर में शीतलहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उत्तर की ठंडी हवाओं से प्रदेश में ठंड का असर शुरू हो चुका है। तापमान में लगातार गिरावट की वजह से शहर में रात को कंपकंपी छूटने लगी है। वहीं अंबिकापुर, बलरामपुर में तापमान पांच डिग्री से नीचे होने की वजह से शीतलहर की स्थिति बन चुकी है। शहर के रिहायशी इलाकों की तुलना में बाहरी क्षेत्रों में ज्यादा ठंड पड़ रही है।

- उत्तर की ठंडी हवाओं के आगमन से आउटर में छूट रही कंपकंपी

शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि लालपुर मौसम विज्ञान केंद्र का न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले साल नवंबर के महीने में यही तापमान 14.3 डिग्री तक पहुंचा था। अभी शुष्क हवाओं का प्रदेश में आगमन जारी है, इसलिए तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बार प्रदेश में ठंड अपनी सामान्य स्थिति में रहने की संभावना है। उत्तरी सीमा से लगे क्षेत्रों में दिसंबर के महीने में कड़ाके की ठंड पड़ती है और सुबह के वक्त पेड़ों में बर्फ जमने लगता है। मध्य इलाके में ठंड का प्रभाव रात में महसूस होता है मगर यहां शीतलहर की संभावना नहीं बन पाती है। शहर के बाहरी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ती है, रायपुर और माना के बीच न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस का अंतर होता है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य में काफी मात्रा में बढ़ती ठंड महसूस हुई।

प्रमुख शहरों के तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	28.6	15.5
माना	28.5	12.4
बिलासपुर	27.0	14.2
पेंड्रा	25.4	11.2
अंबिकापुर	26.4	8.2
जगदलपुर	30.2	15.9

वर्तमान सत्र में जारी की गई थीं बाल वाटिका व कक्षा 1, 2, 3, 6 की नई किताबें

9वीं से 12वीं कक्षा तक नई किताबें अगले सत्र से, ग्राफिक्स के जरिए सीखेंगे बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सत्र 2026-27 सेशन शुरू होने से पहले सीबीएसई की कक्षा 9वीं से 12वीं तक की नई किताबें आ जाएंगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद अब 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के सभी विषयों के लिए किताबें तैयार करने में जुटा है। इसके लिए विशेषज्ञों की अलग-अलग समितियां काम कर रही हैं। एनसीईआरटी का कहना है कि सारी नई किताबें स्कूली शिक्षा के लिए बनाए गए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के आधार पर तैयार की गई हैं। नए पैटर्न में एक्टिविटीज और ग्राफिक्स के जरिए सिखाने पर जोर दिया गया है।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत क्रमश: हो रहा है पाठ्यक्रम में बदलाव

2024-25 में बाल वाटिका के साथ-साथ क्लास 1, 2, 3, 6 की नई किताबें जारी की गई थी। 2025-26 में चार क्लासेज 4, 5, 7 और 8 की नई किताबें लाई गई हैं। नई किताबों में कंटेंट को कम किया ⏭ शेष पेज 13 पर

यह होता है ब्रिज कोर्स

ब्रिज कोर्स का मकसद छात्रों को नई शिक्षा नीति के बारे में जानकारी देना और उन्हें अगली कक्षा में जाने के लिए तैयार करना है। ब्रिज कोर्स के लिए बुकलेट आती है। छात्र को ब्रिज कोर्स के जरिए नई किताब के कंटेंट के बारे में बताया जाता है। विभिन्न विषयों में नए कोर्स के पाठ्यक्रम डिजाइन और टॉपिक्स के बारे में ब्रिज कोर्स होता है। टीचर्स को भी ट्रेनिंग दी जाती है और नए पैटर्न के बारे में बताया जाता है।

नवमी कक्षा में ब्रिज कोर्स नहीं

पुराने पैटर्न से नए सिलेबस की किताबों से पढ़ाई करवाने से पहले एनसीईआरटी छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स भी तैयार करता है। सीनियर सेकेंडरी लेवल पर अगले साल 11वीं कक्षा में आने वाले छात्रों को 6 हफ्ते का ब्रिज कोर्स करना होगा। चूंकि 8वीं कक्षा तक की नई किताबों से पढ़ाई करवाई जा रही है। ऐसे में अगले साल जो छात्र नवमी में आएंगे, वे नए सिलेबस से पढ़ाई करने के बाद ही कक्षा 9वीं में प्रमोट होंगे। इसलिए उन्हें ब्रिज कोर्स करने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि इस समय 10वीं कक्षा के छात्र पुराने सिलेबस की पढ़ाई कर रहे हैं। उन्हें अगली कक्षा में नए सिलेबस वाली एनसीईआरटी किताबों को पढ़ने से पहले ब्रिज कोर्स करना होगा।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

चकल्लस

साहब का राजयोग

एक साहब इन दिनों बहुत ही चर्चा में हैं। साहब बदमाशियां करते हैं और फिर छोटे बच्चों की तरह उनकी बदमाशियां दूध-भात हो जाती हैं। चलिए... हम आपको सुराग दे रहे हैं, फिर आप खुद ही बूझ लीजिएगा कि ये साहब हैं कौन? ये पहले संस्कृत विद्यामंडल में अस्थायी प्रभार में थे। वहां से इन्हें बस्तर संभाग भेजा गया। वहां साहब ने कांड कर दिया। उम्मीद थी कि साहब पर कुछ तगड़ी कार्रवाई होगी, लेकिन उन्हें सिर्फ अटैच किया गया। अब बीते सप्ताह ही उन्हें फिर से रायपुर डीपीआई लाया गया है। अब इसे राजयोग न कहें तो क्या कहें? सुनने में आया है कि साहब के कॉन्टेक्ट तगड़े हैं। बस सरकारी नौकरी में इतना ही पर्याप्त है। फिर कांड करो या काम, क्या फर्क पड़ता है?

इनका कुछ नहीं हो सकता...

जंगलराज सुना है? सुना ही होगा। अब देखने का भी मन हो तो एनएसयूआई ज्वॉइन कर लीजिए। कुछ माह पूर्व पूरा संगठन जोशिया गया था कि ऊपर से नीचे तक सबको बदल डालेंगे। चुनाव कराएंगे और सबकुछ लोकतांत्रिक ढंग से होगा, लेकिन हो नहीं सका। दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव होते ही सभी राज्यों में एनएसयूआई के संगठन चुनाव की बात कही गई थी। इसके बाद क्यों नहीं हुआ, ये नहीं पता। चुनाव कब होंगे, होंगे भी या नहीं, कुछ नहीं पता। जैसा है, जो है, चलने दो। इनका कुछ हो ही नहीं सकता। वैसे अंदरखाने वाले बता रहे थे कि अभी जो सिंहासन पर बैठे हुए हैं, वे कुछ दिन और आनंद लेना चाहते हैं। इसलिए सेटिंग कर रहे हैं।

हम पर भी हों नजरें इनायत

प्रदेश के कई दर्जन नेताओं को बिहार विधानसभा चुनाव में जिम्मेदारी दी गई। बिहार चुनाव में प्रदेश भाजपा के प्रभारी नितिन नवीन बांकीपुर विधानसभा से चुनाव लड़े। इनके चुनाव प्रचार के लिए भी प्रदेश के कई नेता थोक में पहुंचे। प्रदेश के मंत्रियों ने भी प्रचार में पसीना बहाया। कुछ ऐसे नेता भी वहां पहुंचे, जिनको अब तक प्रदेश संगठन में कोई स्थान नहीं मिल सका है। ऐसे में ये नेता प्रदेश प्रभारी के चुनाव में जी-जान लगाकर जुटे, ताकि वे अपने प्रदेश प्रभारी का दिल जीत सकें और प्रदेश प्रभारी की उन पर नजरें इनायत हो जाएं तो उनको भी कोई पद मिल जाए।

सुखियों में फिर आई शराब ....

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर शराब सुर्खियों में आ गई है। ठेकेदारों के जरिए बिकवाने का प्लान तैयार करने की हवा उड़ी। वहीं विभागीय मुखिया का कहना है कि ना जाने किसने ये अफवाह उड़ाई। वैसे जब से यह जिम्मा मिला है, लोगों की पूछपरख बढ़ गई है। उनके पास कोई न कोई इस काम के लिए आता ही है। पहले धंधे वाले लोग कम आते थे। अब ठेके वाले भी सही स्थिति जानने के प्रयास में हैं। उनसे साफ कह दिया है कि जिनके निर्णय को पिछली सरकार नहीं बदल सकी, उन्हें हम कैसे बदल सकेंगे।

पहली बाद प्रदेश बदर ...

ऐसे अपराधी, जो संगीन वारदातों से लगातार जुड़े रहते हैं, जिला प्रशासन ऐसे लोगों पर जिलाबदर की कार्रवाई कर देता है। प्रदेश में आर्थिक रूप से सक्षम लोगों ने यहां के खनिज से खूब पैसा बनाया। जानकारी मिलने पर 18 लोगों पर अपराध दर्ज हुआ। अफसर, नेता से लेकर कई लोग शामिल बताए जाते हैं। सालों चले ट्रायल के बाद उन्हें जमानत मिली, पर शर्त रखी गई की उन्हें प्रदेश से बाहर रहना होगा। जिलाबदर वाले जिले से बाहर रहते हुए भी यहां चोरी-छिपे घूमने आ जाते हैं। प्रदेश बदर होने वालों को यहां फटकने का मौका ही नहीं मिल पाएगा।

राजनीति का फसल चक्र

धान उत्पादक छत्तीसगढ़ में राज्य गठन के समय उस समय की सरकार ने फसल चक्र परिवर्तन की बात शुरू की तो उसे बड़ी लानत-मलामत झेलनी पड़ी थी, वो सरकार जब गई तो अगली सरकार को ये बात समझ में आई कि धान की जगह दूसरी फसल उगाना फायदेमंद हो सकता है, कोशिश भी की पर कुछ नहीं हो पाया, तीसरी सरकार ने भी यही असफल कोशिश की। चौथी सरकार ने आगे बढ़कर फसल बदलने वाले किसानों को पैसा-कौड़ी देने की बात भी कही, लेकिन अब भी बात नहीं बन पा रही है। इसकी वजह क्या है? बात दरअसल ये है कि 25 साल पहले फसल चक्र परिवर्तन का विरोध करने वाले ही अब उसका समर्थन कर रहे हैं। बेचारे, भोले-भाले किसान अब भी विरोध वाली बातों को ही सच मानकर चल रहे हैं।

इंस्पेक्टर राज फिर हो रहा आबाद

हमारे यहां से लेकर देश की सियासत में ये जुमला कई बार दोहराया गया कि अब इंस्पेक्टर राज नहीं चलेगा। जिस पार्टी का यह जुमला था, वही अपनी बातों को भूल गई। अब इंस्पेक्टर केवल पुलिस के नहीं, जीएसटी, कारखानों, सफाई के भी घूम रहे हैं, कई और तरह के इंस्पेक्टरों की गश्त जारी है। इसी बीच सरकार ने सड़कों, चौराहों, फुटपाथ के आसपास से लेकर कच्चे मकान, गुमटी, ठेले और खोमचे वालों पर शिकंजा करने के लिए ट्रेड लाइसेंस का नियम बनाकर ये अनिवार्य कर दिया है कि दो महीने में ये लाइसेंस लेना ही होगा, वरना कार्रवाई होगी, यानी अगले दो महीने में राज्यभर में फिर से इंस्पेक्टर राज आबाद होने जा रहा है।

लाखों की दवा गिराएगी गाज

दवाओं की खरीदी और उसमें होने वाली कमीशनखोरी से स्वास्थ्य विभाग का पुराना नाता है। इस बार मामला स्वास्थ्य विभाग के साथ रेडक्रॉस से जुड़ा हुआ है। विभागीय अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्रों से कई तरह की दवाओं की डिमांड निकाली। आवश्यक दवाओं की सप्लाई में टेंडर प्रक्रिया में समय नहीं गंवाने का माहौल बनाया और रेडक्रॉस से संबंधित दवा दुकानों के जरिए लाखों रुपए की दवाएं खरीद ली। स्वास्थ्य केंद्रों में दवा पहुंचने के साथ इस गड़बड़ी का हल्ला भी मच गया और जांच शुरू होते ही कमीशन की आड़ में साजिश रचने वाले अफसरों की घिग्घी बंध गई। चर्चा है कि जांच पूरी होने के बाद मोटे कमीशन की खातिर दवा खरीदी का प्रोग्राम तय करने वाले अधिकारी और उसके सहयोगी पर गाज गिरने वाली है।

दिल का इलाज जरूरी

आंबेडकर अस्पताल में हृदय रोग का इलाज करने वाले विभाग के डॉक्टर और संबंधित स्टाफ की बातें आलाकमान तक नहीं पहुंच रही हैं। दरअसल यहां आने वाले मरीजों के ऑपरेशन के लिए जरूरी सामान की सप्लाई पिछले चार महीने से नहीं हो रही है। यहां आने वाले गरीब मरीजों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। जरूरी सामानों की सप्लाई के लिए पुराने रेट के लिए वेंडर तैयार नहीं हो रहे हैं और जेम पोर्टल से बात नहीं बन रही है। प्रदेश में पहली बार किसी सर्जरी के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के लिए बधाईयां देने वाले जिम्मेदार इस अति संवेदनशील मामले में अब तक चुप्पी साधे हुए हैं।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

छत्तीसगढ़ पुलिस अब एके-47 से फायर करेगी अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ के सशस्त्र पुलिस बल के हथियारबंद पुलिसकर्मियों की एके-47 राइफल अब और ज्यादा ताकतवर तथा मारक होने वाली है। राज्य पुलिस अब इन राइफलों के निचले हिस्से में 40 मिमी कैलिबर वाला थूथन लोडेड यूबीजीएल लगाने की तैयारी में है। खास बात ये है कि यह अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर, हैंड ग्रेनेड से कई गुना अधिक क्षमता का होगा, जो लक्ष्य से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष 150 से 400 मीटर की दूरी तक निशाना साध सकेगा।

राज्य पुलिस मुख्यालय इस तरह के 410, 40 एमएम यूबीजीएल खरीदने की तैयारी में है। इस हथियार खरीदी के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। एक अनुमान के मुताबिक, यह सौदा 14 करोड़ 35 लाख रुपए से अधिक का हो सकता है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसकी सप्लाई अगले चार महीनों में पुलिस को किए जाने की शर्त भी रखी गई है।

40 एमएम यूबीजीएल मजल लोडेड क्या है

40 एमएम यूबीजीएल मजल लोडेड एक राइफल की बैरल के नीचे लगे 40 मिमी अंडर-बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल) में ग्रेनेड लोड किया गया है। यह एक प्रकार के अतिरिक्त हथियार है, जो राइफल के साथ जुड़ता है और इसका उपयोग शत्रुओं पर ग्रेनेड दागने के लिए किया जाता है, जिसकी मारक क्षमता हैंड ग्रेनेड की तुलना में बहुत अधिक होती है। मजल लोडेड का मतलब है कि ग्रेनेड को लॉन्चर की मजल या मुंह वाले सिरे से डाला गया है। कुछ यूबीजीएल ब्रीच-लोडेड (पीछे से) भी होते हैं।

हैंड ग्रेनेड से कई गुना क्षमता का होगा वार

फाइल फोटो

- एके-47 से रिवाल्वर की तरह होंगे छह राउंड फायर
- 14 करोड़ 35 लाख से अधिक का सौदा चार माह में होगा

एक मिनट में करेगा छह फायर

खास बात ये है कि छत्तीसगढ़ पुलिस जो यूबीजीएल खरीदने जा रही है, वह एक मिनट में छह फायर करने की क्षमता वाला होगा। इसकी कुल लंबाई 300 मिमी तक होगी। यह टीपीटी ग्रेनेड, गोले दागने में सक्षम होगा। इसकी व्यावहारिक फायर दर 6 राउंड प्रति मिनट होगी। सटीक लक्ष्य पर प्रभावी प्रत्यक्ष सीमा 150 से 200 मीटर तक, क्षेत्र लक्ष्य पर प्रभावी अप्रत्यक्ष सीमा 350 से 400 मीटर तक होगी। यह सभी प्रकार की एके राइफलों की बैरल के नीचे फिट होने में सक्षम होगा।

हैंड ग्रेनेड की रेंज 30 मीटर, यूबीजीएल की मार 400 मीटर

40 एमएम यूबीजीएल : यह एक अंडर-बैरल ग्रेनेड लॉन्चर है, जो 40 मिमी के गोलों का उपयोग करता है। इसे राइफल की बैरल के नीचे लगाया जाता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 400 मीटर होती है, जबकि हैंड ग्रेनेड की मारक क्षमता केवल 30 मीटर होती है। सुरक्षितः यह सैनिकों के लिए सुरक्षित गोला-बारूद है। सैनिक इसे राइफल के साथ या स्वतंत्र रूप से भी दाग सकते हैं। इसका उपयोग खुले मैदान में, खाइयों में और हल्के आश्रयों में दुश्मन के समूह पर हमला करने के लिए किया जाता है।

उल्लंघन पर दुकान होगी सील, शुल्क वसूलेंगे दोगुना

दो माह में लेना ही होगा ट्रेड लाइसेंस वरना नगरीय क्षेत्र में कारोबार नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ सरकार के नगरपालिका व्यापार अनुज्ञापन यानी ट्रेड लाइसेंस नियम में ये प्रावधान है कि अब राज्यभर के नगरीय इलाकों में कोई भी व्यक्ति बिना ट्रेड लाइसेंस हासिल किए कोई कारोबार नहीं चला सकता। यही नहीं, अगर बिना लाइसेंस कारोबार करते पकड़े गए तो दुकान सील कर दी जाएगी और लाइसेंस फीस से दोगुनी राशि बतौर जुर्माना वसूली जाएगी।

खास बात ये है कि राज्य के नगरीय इलाकों के हर दुकानदार को दो महीने के अंदर ये लाइसेंस लेना होगा। राज्य शासन द्वारा ट्रेड लाइसेंस का नया नियम जारी करने संबंधी खबर को हरिभूमि ने दो दिन पहले प्रमुखता से प्रकाशित किया था, इस नियम में कई प्रावधान ऐसे हैं, जो प्रदेश के नगरीय इलाकों में हर तरह का कारोबार करने वालों को प्रभावित करने वाले हैं। नियम में ये साफ किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को, संबंधित नगरपालिका से व्यापार अनुज्ञप्ति प्राप्त किए बिना, नगरपालिका की सीमा के भीतर, कोई व्यापार करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

15 दिन के भीतर मिलेगी अनुज्ञप्ति

छत्तीसगढ़ में ये नए नियम लागू होने के साथ ही यह अनिवार्यता लागू की गई है कि हर कारोबारी को दो महीने यानि 60 दिनों में लाइसेंस हासिल करना ही होगा। इन नियमों के अधीन, आवेदन यदि अन्यथा अस्वीकार नहीं किया जाता है तो प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्ति प्रदान की जाएगी। सक्षम प्राधिकारी द्वारा आवेदन प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर कोई निर्णय नहीं लिए जाने की दशा में अनुज्ञप्ति प्रदान की गई, समझा जाएगा।

बिना लाइसेंस कारोबार होगा सील

कोई परिसर, जिसमें विधिमान्य अनुज्ञप्ति के बिना, कोई व्यापार किया जाना पाया जाए, उसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा सील किया जाएगा तथा समान प्रकार और समान रूप से स्थित व्यापार के लिए लागू वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क के दोगुने के समतुल्य शास्ति अधिरोपित की जाएगी।

हर दुकानदार को लाइसेंस लेने के लिए दो माह का समय

हरिभूमि

सड़क किनारे कारोबार करने वाले सभी छोटे-बड़े कारोबारियों को लेना होगा लाइसेंस, जितनी चौड़ी सड़क, उतना ही लगेगा शुल्क

धुआं, गैस, वाष्प, धूल, गंध, शोर नहीं फैला सकते

सरकार के इस नियम में साफ किया गया है कि अनुज्ञप्तिधारी, धुएं, गैस, वाष्प, धूल, गंध, शोर या अन्य ऐसी अशुद्धियों द्वारा उत्पन्न होने वाले अपदूषण (न्यूसेंस) की रोकथाम के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा यथा अपेक्षित उपायों को अपनाएगा।

दुकान में लगा दिखना चाहिए लाइसेंस

नियम में ये भी कहा गया है कि व्यापार अनुशप्ति के उपयोग के लिए शर्तों में यह बात शामिल है कि अनुज्ञप्ति की एक प्रति, अनुज्ञप्त परिसर में सहजदृश्य स्थान पर प्रदर्शित की जानी चाहिए। केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार, जिला प्रशासन, नगरपालिका द्वारा समय-समय पर जारी सभी आदेशों, निर्देशों का कठोरता से अनुपालन किया जाएगा।

परिसर में ये व्यवस्था रखनी होगी

अनुज्ञप्त परिसर के सामने फुटपाथ या सार्वजनिक सड़क पर कोई अवरोध अथवा अतिक्रमण नहीं किया जाएगा। अनुज्ञप्त परिसर के सामने किसी तरह की होर्डिंग, विज्ञापन, अवैध पार्किंग की अनुमति नहीं होगी।

कभी हो सकती है जांच, होगी ये कार्रवाई

सक्षम प्राधिकारी, किसी भी समय किसी अनुज्ञप्तिधारी के परिसर का निरीक्षण कर सकेगा और यदि इन नियमों के किसी उपबंध के उल्लंघन का पता चलता है तो वह अनुज्ञप्तिधारी को किसी तय अवधि के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए नोटिस जारी कर सकेगा। यदि अनुज्ञप्तिधारी नोटिस में तय अवधि के भीतर उसमें दिए गए निर्देशों का युक्तियुक्त समाधान नहीं करता है तो सक्षम प्राधिकारी, कोई शास्ति अधिरोपित कर सकेगा, जो वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क का 50 प्रतिशत होगी, अथवा अनुज्ञप्ति रद्द कर सकेगा।

14 नवंबर को रायपुर में भाजपा की निकलेगी भव्य पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 'सरदार 150 @ यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया, इस पदयात्रा का आयोजन 11 और 14 नवबंर को दो चरणों में किया जाएगा।

- सरदार पटेल जयंती पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र में एकता और अखंडता का संदेश देंगे हजारों

पहला चरण 11 नवंबर को बलौदा बाजार में दोपहर 3:00 बजे से प्रारंभ होगा। पदयात्रा डीएवी स्कूल संकरी से शुरू होकर लिमाही, गोंडखपरी, दशरमा, अटल चौक बलौदा बाजार तक चलेगी। दूसरा चरण 14 नवबंर को रायपुर शहर में दोपहर 3:00 बजे से प्रारंभ होगा। यह यात्रा दानी स्कूल से शुरू होकर कालीबाड़ी चौक, कोतवाली चौक, सदर बाजार, आजाद चौक, तत्यापारा चौक, रामसागर पारा, राठौर चौक, गुरु नानक चौक, देशबंधु संघ, स्टेशन चौक, फाफाडीह चौक, पीली बिल्डिंग होते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल चौक फाफाडीह में सम्पन्न होगी।

संदेश जन-जन तक पहुंचाने की अपील

श्री अग्रवाल ने कहा, सरदार पटेल जी ने अपने अदम्य साहस, दूरदृष्टि और अटूट राष्ट्रभक्ति से 562 रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर 'एक भारत, अखंड भारत' का स्वप्न साकार किया। उनका जीवन आज भी प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रहित में समर्पण और एकता की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता है। श्री अग्रवाल ने जनता, कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों से बड़ी संख्या में इस पदयात्रा में शामिल होकर देश की एकता और अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है।

एसआईआर शुरू, ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ की सक्रियता, शहरों में नजर नहीं आ रहा नीला पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण विगत 4 नवंबर को शुरुआत के बाद से बीएलओ गणना प्रपत्र बांटने घर-घर पहुंच रहे हैं। पिछले पांच दिनों में शहरी क्षेत्रों में गणना प्रपत्र बंटने की गति धीमी है। यहां किसी भी स्थान पर आम लोगों को नीला पर्चा वितरित नहीं किया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ सक्रियता के साथ पहुंचकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं। गणना प्रपत्र के साथ फोटो और आधारकार्ड की कॉपी भी ली जा रही है।

निर्वाचन आयोग का दावा है कि छह दिनों में लगभग 43 लाख मतदाताओं तक पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरित कर चुके हैं। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर बीएलओ गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी संकलित कर रहे हैं। राज्य में पंजीकृत दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाताओं में से अब तक 29 लाख 29 हजार 125 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कि लक्ष्य का 14 प्रतिशत है।

शहरों में नाम ढूंढने की परेशानी

शहरी क्षेत्रों में बीएलओ कहां गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं, यह पता ही नहीं चल रहा है। शहरी क्षेत्रों में अधिकांश मतदाताओं को अब तक गणना प्रपत्र वितरित नहीं हुआ है। बताया जाता है कि यहां पर मतदाता सूची में नाम ट्रेस करने में दिक्कत के चलते ऐसा हो रहा है। मतदान केंद्रों की सूची के आधार पर बीएलओ को नाम टेली कर मकान ढूंढने में परेशानी हो रही है।

- निर्वाचन का दावा- 6 दिनों में 43 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ

ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्र स्तर पर एसआईआर के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। एसआईआर के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ तेजी से काम कर मतदाताओं के घरों में पहुंच रहे हैं।

सीएस और सीईओ के घर पहुंचे बीएलओ

एसआईआर के अंतर्गत बीएलओ रायपुर में राज्य शासन के मुख्य सचिव विकासशील विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-50 (रायपुर उत्तर) के देवेंद्र नगर में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार के भी घर पहुंचे और उन्हें गणना प्रपत्र व घोषणा प्रपत्र देकर आवश्यक जानकारी संकलित की। शहर में पिछले चार दिनों में अफसरों के घरों में बीएलओ, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ जा रहे हैं। देवेंद्र नगर मतदान केंद्र के अधिकांश मतदाताओं के यहां पहुंच रहे हैं।

सरकार खुद वर्ग संघर्ष करा रही, अराजक तत्व खुले क्यों घूम रहे

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, छत्तीसगढ़ की शांत फिजां को अशांत करने की साजिश रची जा रही है। वर्गभेद और सामाजिक भेद की आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद भी सरकार का मौन बताता है कि अपनी नाकामी को छिपाने के लिए सरकार ऐसे तत्वों को प्रश्रय दे रही है। छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ी जाती है, उसके बाद महराज अग्रसेन के खिलाफ ,भगवान झूलेलाल के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियां की जाती हैं, फिर संत घासीदास बाबा का अपमान किया जाता है। इतनी घटनाओं के बाद सत्तारूढ़ दल, सरकार की तरफ से एक शब्द भी नहीं बोला जाना बताता है कि सरकार खुद प्रदेश में वर्ग संघर्ष कराना चाह रही है। सरकार सजग होती तो अराजक तत्व जेल की सलाखों के पीछे होते।

अमित जोगी का आव्हान- नफरत की दीवार हटाकर प्यार का परिचय दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में विगत कुछ दिनों से छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति पर निशाना, बाबा गुरु घासीदास, महाराजा अग्रसेन, संत झूलेलाल पर अभद्र टिप्पणी और दो पक्षों में चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के संदर्भ में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने नफरत की दीवार हटाकर प्यार और एकता का फिर से परिचय देने का छत्तीसगढ़वासियों से आव्हान करते हुए कहा, मेरे छत्तीसगढ़ के सभी भाइयों और बहनों को जय जोहार, आज मैं दिल की गहराइयों से कुछ बातें करना चाहता हूं। पिछले कुछ दिनों से हमने कुछ सुना है, देखा है, वह हमारे लिए, हमारी संस्कृति के लिए एक गहरा जख्म है। हमारी छत्तीसगढ़ महतारी को निशाना बनाना, हमारे बाबा गुरु घासीदास, महाराजा अग्रसेन और संत झूलेलाल जैसी महान विभूतियों के विरुद्ध घृणा फैलाई गई। यह हमारी छत्तीसगढ़ की अस्मिता पर सीधे-सीधे हमला है और इन्हीं दुखद घटनाओं का फायदा उठाकर कुछ लोग हमारे बीच एक "हम और तुम" का फर्क पैदा करने में लगे हुए हैं।

मनखे-मनखे एक समान, नारा नहीं... जीवनशैली

उन्होंने कहा, मेरे पिता स्व. अजीत जोगीजी हमेशा कहते थे, उनकी प्रेरणा छत्तीसगढ़ के महान संत बाबा गुरु घासीदासजी के विचार "मनखे मनखे एक समान", यह नारा नहीं, बल्कि जीवन की एक शैली है। इसी सोच से पापा को प्रेरित किया और अग्रवाल समाज के निवेदन पर एक राज्य पुरस्कार समता के प्रतीक महाराजा अग्रसेन के नाम पर रखें। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के महान सपूत स्व. खूबचंद बघेलजी ने कहा था, हर कोई जो छत्तीसगढ़ की धरती से, हमारी संस्कृति से प्यार करता है, वही असली छत्तीसगढ़िया है और तत्कालीन जोगी सरकार ने उनकी इसी सोच को कानूनी दृष्टि से भी अपनाया। आज जरूरत है इस विचार को फिर से याद करें, अपने जीवन में फिर से जीवंत करें।

शहीद वीरनारायण सिंह का शहादत दिवस 10 दिसंबर को, अमर अखंड ज्योति भी होगी प्रज्ज्वलित

रायपुर। हांडीपारा स्थित छत्तीसगढ़ी भवन में रविवार को राज्य आंदोलनकारी छत्तीसगढ़ी समाज पार्टी, छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा, शहीद वीरनारायण सिंह शहादत दिवस आयोजन समिति की बैठक हुई। बैठक में शहीद वीरनारायण सिंह की 170वीं शहादत दिवस के अवसर पर 10 दिसंबर को भव्य रूप में शहीदी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। शहीद वीरनारायण सिंह की 170वीं शहादत दिवस के कार्यक्रम को भव्य यादगार के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। शहादत दिवस को शहीद वीरनारायण सिंह की शहादत स्थल जयस्तंभ चौक शहीद वीरनारायण सिंह की प्रतिमा स्थल पर सुबह 11 से लेकर शाम 6 तक दिनभर उसकी शौर्य गाथा पर आधारित कविता पाठ, आलेख, भजन, जागरण गीत सहित इतिहासकार, कवि, शिक्षाविदों ,पत्रकारों, समाज प्रमुखों द्वारा ओजस्वी भाषण का आयोजन किया जाएगा। बैठक में राज्य आंदोलनकारी छसपा के प्रदेश नेता आयोजन समिति के जीपी चंद्राकर, अनिल दुबे, जागेश्वर प्रसाद, लालाराम वर्मा, अशोक कश्यप, वेगेंद्र सोनबेर, केके अग्रवाल, गोवर्धन वर्मा, छन्नू साहू, शिव ताम्रकार, बृजबिहारी साहू, रघुनंदन साहू, चेतन देवांगन, पवन वर्मा, अनिल चंद्राकर, हेमा, रितु महंत आदि शामिल हुए।

HEALTH TOWN

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक

सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आवुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज

Dr. Rituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi vaidya
Sri Sri tattva
Bangalore

पताः चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

झुलसा, भूरा धब्बा व शीत ब्लास्ट प्रकोप से धान उत्पादन में गिरवाट की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

धान की फसलों पर बीमारी का असर अब स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। किसानों की वह आशंका, जो कुछ माह पहले से जताई जा रही थी, अब सच साबित हो रही है। खेतों में "झुलसा", "भूरा धब्बा" और "शीत ब्लास्ट" जैसी बीमारियों के कारण पौधे कमजोर पड़ गए हैं और दाने भराव में भारी कमी देखी जा रही है। किसानों का कहना है कि इस वर्ष मौसम की अनिश्चितता, देर से हुई बारिश और रोगग्रस्तता ने पूरे परिश्रम पर पानी फेर दिया। पहले जहां एक एकड़ में 20 से 22 क्विंटल उत्पादन मिलता था, वहीं इस बार 12 से 14 क्विंटल तक सीमित रहने की संभावना है।

रोग, मौसम और बढ़ती लागत ने तोड़ी उम्मीदें सर्वे और मुआवजा की मांग तेज

कई गांवों में फसल सूख रही

ग्राम रीवा, लखौली, कुकरा, नारा, देवदा, सन्डी सहित आसपास के क्षेत्रों में किसानों की स्थिति समान है। कई खेतों में फसल पकने से पहले ही पौधे सूखने लगे हैं। किसान संगठनों ने सरकार से तुरंत सर्वे कराकर फसल बीमा के तहत मुआवजा और राहत राशि दिलाने की मांग की है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी माना है कि इस बार रोग और जलवायु परिवर्तन का असर औसत उत्पादन पर पड़ा है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे आगामी सीजन में रोग-रोधी किस्मों का चयन करें और नियमित खेत निगरानी करें। इस बार की स्थिति ने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है मेहनती किसान को क्या उसकी मेहनत का पूरा मूल्य मिल पा रहा है..? बढ़ती लागत और घटते उत्पादन के बीच खेतों में सुनाई दे रही है केवल ट्रैक्टर की गूंज और किसानों की चिंता।

कृषि कार्य की लागत बढ़ी: ग्राम लखौली के किसान लोकेश (गोलू) चन्द्राकर ने बताया कि उनकी 5 एकड़ महामाया धान की कटाई में मात्र 3 ट्राली धान ही निकला। उन्होंने बताया कि 3300 रुपये प्रति घंटे की दर से 6 घंटे 30 मिनट में चेन हारवेस्टर से कटाई कराई गई, जिस पर 19,800 रुपये खर्च हुआ और ढुलाई में 1700 रुपये अतिरिक्त लगे। पिछले वर्ष उतने ही रकबे से 6 ट्राली धान निकला था। इसी प्रकार रीवा गांव के किसान सूरज साहू (उपसरपंच) ने बताया कि 3 एकड़ खेत से इस बार 3 ट्राली भी नहीं निकली, जबकि ऊपर से फसल हरी-भरी दिख रही थी पर अंदर से दाने अधूरे रह गए।किसानों ने बताया कि बार-बार दवा छिड़कने के बावजूद असर नहीं दिखा, उल्टे खर्च बढ़ता गया। खाद, बीज, मजदूरी, डीज़ल और कीटनाशकों की बढ़ी कीमतों ने पहले से ही किसान को आर्थिक दबाव में रखा था, अब उत्पादन घटने से लागत निकलना भी मुश्किल हो गया है।

खबर संक्षेप

मंदिर हसौद मंडल में बीएलए कार्यशाला

आरंग। मंदिर हसौद मंडल स्तर पर निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में बीएलए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्याम नारंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और सभा को संबोधित करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में बूथ स्तर अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में रायपुर ग्रामीण मंत्री जागृति बंजारे, नगर पंचायत चंदखुरी के अध्यक्ष प्रतीक बैस, मंदिर हसौद मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, महामंत्री रामजी वर्मा, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सिंह ठाकुर, सरला वर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश वर्मा, कार्यालय प्रभारी राघवेंद्र मानिकपुरी एवं सह मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर साहू सहित बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्षगण, बीएलए गण एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्याम नारंग ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता सूची की शुद्धता से होती है, प्रत्येक कार्यकर्ता को इसकी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री रामजी वर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा ने व्यक्त किया। कार्यशाला में निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित दिशानिर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई और बीएलए गण को बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

समग्र शिक्षक फेडरेशन के पाटिल बने ब्लाक अध्यक्ष

आरंग। सहायक शिक्षक-समग्र शिक्षक फेडरेशन इकाई आरंग की बैठक में संगठन की मजबूती और पारदर्शी कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति सेपदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में छोटू राम साहू (पूर्व अध्यक्ष) को संरक्षक तथा तुलाराम पाल, वरिष्ठ शिक्षक और हेमकुमार साहू (पूर्व जिला अध्यक्ष) को संगठन का सलाहकार नियुक्त किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में धरमदास पाटिल को ब्लॉक अध्यक्ष, चन्द्रशेखर विश्वकर्मा को सचिव तथा विमल सोनवानी को कोषाध्यक्ष बनाया गया।उपाध्यक्ष पद पर तीरीथ बांधे, राजमोहन श्रीवास्तव, शिवकुमार खांडे और गिरजा शंकर देवांगन को दायित्व सौंपा गया। सहसचिव के रूप में उदय राम साहू तथा मीडिया प्रभारी के रूप में राजकुमार नारंग को मनोनीत किया गया। इसके साथ ही रामकुमार ध्रुव सहित अन्य सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष लखेश्वर वर्मा, महेन्द्र कुमार साहू, गणेश राम साहू, जीवन साहू, धनेश मारकंडे, पन्ना लाल खुटे, उत्तम बंजारे, गिरिवर सोनवानी, दिनेश साहू, रामनाथ साहू, विश्राम बंजारे, अरविन्द वैष्णव, घनश्याम धृतलहरे, विनय कुमार अग्रवाल, भीखम, टीसी पटेल, दिनेश गिलहरे और विनोद जायसवाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष धरमदास पाटिल ने पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन की शक्ति एकता में निहित है।

ऐसी हड़बड़ी, अवकाश के दिन आदेश जारी कर बदल दिया रविवि का रजिस्ट्रार

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग को पं.रविशंकर शुक्ल विवि का कुलसचिव बदलने इतनी जल्दी थी कि रविवार को ही विभाग ने आदेश जारी कर दिया। अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक योग्यता को लेकर सुर्खियो में रहे रविवि के पूर्व कुलसचिव डॉ.शैलेंद्र पटेल को पुनः प्रभार सौंप दिया गया है।

निधन

पांचोंबाई सोनकर

आरंग। आजाद चौक आरंग निवासी पांचोंबाई सोनकर (90 वर्ष) का 08 नवंबर को स्वर्गवास हो गया है।

उनका अंतिम संस्कार नया तालाब मुक्तिधाम में किया गया। वे मदन लाल सोनकर, दिलीप सोनकर, कुमार सोनकर की माता और पार्षद प्रतिनिधि राकेश सोनकर की दादी थी।

समाज : कार्यक्रम में प्रदेशभर के हजारों लोग परिवार सहित शामिल हुए

सतनामी समाज के परिचय सम्मेलन में 18 की बात बनी, 517 युवक-युवती पंजीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

सतनामी समाज का परिक्षेत्र अभनपुर के तत्वाधान मे प्रदेश स्तरीय युवक -युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन चंडी मोड़ सतनाम भवन भक्ति कुटी मे रखा गया था जिसमे प्रदेशभर से पहुंचे सतनामी समाज के 517 युवक,युवतियो द्वारा पंजीयन कराया गया जिसमे 18 युवक युवतियो के परिजनो की सहमति संबंध जोडऩे के लिए बनी है वही 70 से अधिक परिजन बातचीत कर एक दूसरे से समय लिया ।

- वर-वधू की तलाश में भटकना नहीं पड़ता, आर्थिक राहत भी मिलती है

विगत 4 वर्षो से प्रतिवर्ष आयोजित किये जा रहे युवक-युवती सम्मेलन मे प्रदेशभर के हजारो परिजन विवाह योग्य युवक -युवतियां के साथ इस आयोजन मे सम्मिलित होते है। उक्त आयोजन मे स्थानीय विधायक सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी भी सम्मिलित रहे।

इस अवसर पर आयोजक सतनामी समाज परिक्षेत्र अध्यक्ष राधाकृष्ण टंडन ,नपा अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे, जपं. अध्यक्ष चंन्द्रिका जितेन्द्र बंजारे, मुकेश ढीढी, बलविंदर गांधी, नीलकमल गिलहरे, खेमराज कोसले, बसंत कोसरे,श्रीमति सुशीला हरवंश,बीरबल टंडन, केकती बाई सोनवानी, श्रीमती रानू बंजारे, हिमांश खरे, रानी मनोज सोनवानी, नंदनी खुटियारे, आसकरण गिलहरे, टिकेश्वर गिलहरे, ओंकार बंजारे, पन्नालाल नवरंगे, अखिलेश निराला, त्रिवेन्द्र टंडन, जयवर्धन बघेल, राकेश बघेल,मु न्ना बांधे, कमलेश गिलहरे, भूपेन्द्र महिलांग, अशोक डहरिया, पन्नालाल नवरंगे, टिकेन्द्र बघेल, छन्नू बघेल,नवीन बंजारे,बिसहत कोसले, रंजीत भारती, तुलेश्वर रात्रे, टुकेश बांधे, नाम्हे धृतलहरे, थानेश्वर मिरी,र ंजीत भारती आदि बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

सामाजिक जागरूकता में होगी वृद्धि : विधायक साहू

इस अवसर पर विधायक इन्द्रकुमार साहू ने कहा कि वास्तव मे यह आयोजन समाज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है इस आयोजन से समाज का समय एवं धन दोनो के साथ ही योग्य रिश्ता आसानी से मिल जाता है,सतनामी समाज अभनपुर द्वारा विगत 4 वर्ष यह आयोजन कर अभनपुर क्षेत्र ही नही बल्कि प्रदेशभर के सामाजिक लोगो को जागृत किया है,विधायक ने अपने संबोधन मे कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए शिक्षा, संस्कृति, सभ्यता के बिना समाज की परिकल्पना नही की जा सकती है,आज के समय मे युवतियां शिक्षा के क्षेत्र मे काफी आगे है वही युवक काफी पिछड़ रहे है इससे आने वाले समय मे वर वधु दूढने मे और अधिक परेशानी होगी इस असामनता शिक्षा से दूर हो सकता है।

रैता व कुथरेल क्षेत्र में कबाड़ का अवैध कारोबार जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

अवैध कबाड़ का धंधा इन दिनों क्षेत्र में फल-फूल रहा है । बिना डर भय के चोरी के माल कबाड़ी वाले बड़े-बड़े कंपनियों में खा पाया जा रहा है । इसकी जानकारी क्षेत्रीय थाना ,चौकी से लेकर उच्च अधिकारी तक को है । लेकिन सब कुछ जान कर भी इन कबाड़ी वाले के ऊपर कारवाही नहीं हो रही है । कबाड़ियों को राजनीति संरक्षण भी है जिसके चलते इन दिनों कबाड़ का अवैध कारोबार जोरों पर है। जानकारों की मानें तो में रोड जय महाकाला ढाब्रा रैता, कुथरेल, सिलयारी ,सिलतरा,सांकरा,आदि है जहां रैता के कबाड़ी के यहां सीधे ट्रेलर व हाईवा से लोहे निकाल कर अवैध रूप से खरीदी जा रहे हैं , जिन्हें प्रशासन का कोई खौफ नहीं है। यही कारण है कि यह कबाड़ी चैबीसों घंटे शासन-प्रशासन और जनता को चूना लगा रहे है। इस बात से जनता काफी परेशान है क्योंकि सार्वजनिक जगहों से जरूरत की चीजों को क्षति तो पहुंचाया ही जाता है साथ ही लोगों की निजी सम्पत्तियों की भी चोरी हो जाती है जो चोरों द्वारा कबाड़ियों को ही बेंचा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि औद्योगिक क्षेत्र में कबाड़ व्यवसाय पर अंकुश नही लग पा रही है, जिससे लोगों के नवनिर्मित भवनों, सार्वजनिक स्थलों में लोग अपनी जरूरत की चीजों पर हाथ साफ करने में इन दिनों चोर और कबाड़ी चारों ओर सक्रिय हैं जिसके कारण चोर लोहे, तांबे और प्लस्टिक के सामानों को चुरा कर कबाड़ियों को बेच देते हैं। सार्वजनिक जगहों में लगे लोहे की चीजों को काटकर क्षति पहुंचाया जा रहा है। इस समय अपने अवैध कारोबार को खूब फैला रखें हैं, उनके इस कार्य में अंकुश न लगने पर ऐसा प्रतित होता है कि शायद पुलिस प्रशासन की अंदरूनी सहमति मिली हुई है, यही कारण है कि पुलिस के नाक के नीचे कबाड़ी धड़ल्ले से काम को अंजाम देते हैं।

कुर्मी अधिवेशन दिसंबर में आयोजित किया जाएगा

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज की बैठक रविवार को नेवरा में राज प्रधान ठाकुर राम वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में 21 दिसंबर को होने वाले राज अधिवेशन को लेकर आवश्यक विचार विमर्श एवं चर्चा कर निर्णय लिया गया। बीएनबी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड को अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय गोला फेंक में छात्र घनश्याम ने बाजी मारी

अभनपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अभनपुर के छात्र घनश्याम पंडेल ने हासन (कर्नाटक) में हुई अखिल भारतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में गोला फेंक में तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं छात्रा भूमिका नेताम ने 3000 मीटर दौड़ में सहभागिता की। इस उपलब्धि पर दोनो एथलीटो का विधायलय मे सम्मान किया गया। इस मौके पर अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित करते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर ज्ञान भारती शिक्षण समिति अध्यक्ष मोहनलाल अग्रवाल ,उपाध्यक्ष श्रीमती चेतना गुप्ता,व्यवस्थापक प्रदीप शर्मा,श्रीराम गोपाल सिन्हा, पार्षद श्रीमती दीक्षा राठी, प्राचार्य रूपचंद साहू ,टिकेन्द्र साहू सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

भाजपा मंडलों की बैठक में एसआईआर व राष्ट्रीय गीत वंदे मारतम् पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के 03 मंडलों धरसींवा, बंगोली व खरोरा मण्डल की मासिक बैठक में विधायक अनुज शर्मा सम्मिलित हुए। उक्त बैठक में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य व विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)के विषय में चर्चा की गई।

- विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को सशक्त बनाने का उपक्रम : विधायक अनुज

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम केवल एक शब्द नहीं है – यह एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है और एक पवित्र संकल्प है। वंदे मातरम सिर्फ़ आज़ादी का गीत नहीं था—इसने करोड़ों भारतीयों के सामने एक स्वतंत्र भारत की एक तस्वीर भी पेश की यानी सुजलाम सुफलाम भारत का सपना।वंदे मातरम, स्वतंत्रता के शहीदों का गीत होने के साथ-साथ हमें उसी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रेरित भी करता है।

वही एस.आई.आर के विषय में कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अभियान का उद्देश्य मृत मतदाताओं के नाम हटाना, स्थानांतरित मतदाताओं के नाम सही करना और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नए मतदाताओं के नाम जोड़ना है। कार्यशाला में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सीएम से चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष मिर्धा ने की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

शनिवार को छत्तीसगढ़ चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष एवं श्रीगुरू रविदास विश्व महापीठ के प्रदेशाध्यक्ष ध्रुवकुमार मिर्धा के नेतृत्व में रविदास समाज के लोगो ने मुख्यमंत्री साय से सौजन्य भेंट किया। उन्होंने बताया सर्व रविदास समाज छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष विजय मेहरा एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने 7 दिसंबर को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री को शामिल होने आमंत्रित किया। जिस पर श्री साय ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आश्वत किया। वहीं आगामी संत रविदास जयंती मांघ पूर्णिमा को अवकाश घोषित करने, नवनिर्मित विधानसभा भवन का नामकरण संत शिरोमणि रविदास जी के नाम पर रखने तथा विधान सभा भवन के दीवारों पर संत रविदास की गुरु वाणी ऐसा चाहूं राज मै, जहां मिले सबन को अन्न, छोट बढ़ सब सम बसे, रविदास रहे प्रसन्न। अंकित करने तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के नाम से सामाजिक समरसता राज्य अलंकरण सम्मान प्रदान करने, जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरलीकृत करने सहित महासमुंद जिले में ग्राम खल्लारी में देवपाल मोची द्वारा 13वीं शताब्दी में नागर शैली में निर्मित नारायण मंदिर जो कि सामाजिक, समरसता का अनुपम संदेश है का देशभर में प्रचार प्रसार कराने की मांग किए है। श्री मिर्धा ने बताया उक्त सभी मांगो को श्रीसाय ने ध्यान से पढ़ते हुए पूरा करने आश्वस्त किया। वहीं सौजन्य भेंट में बुद्धेश्वर सोनवानी, खिलावन मेहरा, राजू लाल मिर्धा, लीलाराम चौधरी ओमप्रकाश मिर्धा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर 11 छात्रावासों में साक्षरता शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर द्वारा रविवार को शहर के 11 छात्रावासों में विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशन तथा सचिव अविनाश कुमार दुबे के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजित साक्षरता शिविर में मुख्य रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध एवं उनके बचाव के उपाय, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, यातायात एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम, साइबर अपराध जागरूकता, गुड टच-बैड टच, नालसा की योजनाएं, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट एवं रैगिंग एक्ट, बाल तस्करी एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, निशुल्क विधिक सहायता अधिकार पर विस्तृत जानकारी दी गई।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने 150वीं वर्षगांठ पर गाया वंदेमातरम गीत

रायपुर। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम की 150वीं वर्षगाठ के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा वंदेमातरम का सामूहिक गायन डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के सामने किया गया। मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. सलीम राज ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस गीत की रचना की थी, इस ऐतिहासिक गीत को प्रथम बार सन 1896 में रविन्द्रनाथ टैगोर ने गाया था, इस गीत का गायन कर हम देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन करते हैं। मंच के प्रांत संयोजक युनूस कुरैशी ने कहा कि वंदेमातरम गीत का ही जोश था, जो देश की आजादी के लिए अशफाक उल्ला खान, शहीद हवलदार अब्दुल हमीद और अनेकों भारत माता के लाल ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई और आज हम आजाद भारत में रह रहे हैं। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम का गायन रेहाना खान ने किया।

पेज 11 के शेष...

फायरमैन की हकीकत...

लड़का निकला। गाड़ियों को तथा गोदाम को आग के हवाले किए जाने की घटना के बाद स्थानीय रहवासियों ने थाने का घेराव कर पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए नशेड़ियों द्वारा आग लगाने का आरोप लगाया। रहवासियों ने आग लगाने वालों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन करने की धमकी दी। लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल पर लगे अलग-अलग जगह के सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की तो एक छोटा बच्चा एक दोपहिया से पेट्रोल निकालते दिखा। साथ ही पेट्रोल को एक दोपहिया की सीट पर उड़ेलने के बाद आग लगाते दिखा। बच्चे की पहचान कर पुलिस ने उसके परिजनों को थाने तलब कर बच्चे से पूछताछ की तो बच्चे ने गाड़ियों में आग लगाने की बात कबूल की।

पुरानी बस्ती के 4 परिवारों को राहत...

प्रभावित परिवारों को उन्होंने आश्वस्त किया कि बोर्ड की ओर से उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।शिकायतकर्ता मुतवल्ली ने गलत जानकारी देकर वक्फ बोर्ड को गुमराह किया है जिस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार के समय पुरानी बस्ती के लोगों को वक्फ बोर्ड द्वारा नोटिस दिए जाने से मामला गरमाया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने 29 अक्टूबर को बोर्ड कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। नोटिस प्राप्त 4 प्रभावित परिवारों सहित आसपास के लोगों के साथ विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वक्फ बोर्ड के काले कानून को वापस लिए जाने की मांग करते हुए धरना दिया।

बोर्ड कार्यालय के सामने महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए नोटिस वापस लेने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने बोर्ड दफ्तर घेराव से पहले बैजनाथ मंदिर मोतीबाग चौक में एकत्र होने के बाद रैली के रूप में वक्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचे। पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी सड़क पर घंटों प्रदर्शन किया गया था।

ये था मामला...

वार्ड पार्षद अजय साहू ने प्रभावितों के साथ बोर्ड के दफ्तर भी गए, पर बोर्ड के अध्यक्ष से उनकी मुलाकात नहीं हुई।

इसके लिए 6 नवंबर का समय दिया गया। इसी कड़ी में 8 नवंबर को बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज पुरानी बस्ती के संबंधित क्षेत्र में स्थल निरीक्षण के लिए पहुंचे। वहां उन्होंने प्रभावितों के अलावा ब्राह्मणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू, भाजपा के वरिष्ठ नेता संदीप शर्मा के साथ स्थल का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने पाया कि शिकायतकर्ता ने उनसे झूठी शिकायत की है। कब्रिस्तान वाली जगह 200 मीटर दूरी पर है, उसके आसपास कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है।

कोल घोटाले के आरोपी...

2022 को शाम छह से सात बजे के बीच तलविंदर तथा अन्य ने उसके किराए के मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। ज्योति द्वारा थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, चोरी करने के बाद निखिल की पत्नी तथा अन्य ने उसकी बगैर अनुमति के उसके घर में अपना ताला लगा दिया। ज्योति के आरोपों के अनुसार, घर में ताला लगाने के साथ निखिल की पत्नी तथा अन्य ने रोजमर्रा के काम आने वाला घरेलू सामान अपने साथ ले गए। ज्योति ने पुलिस को घटना का सीसीटीवी फूटेज पुलिस को एक पेन ड्राइव में सौंपा है।

9वीं से 12वीं कक्षा तक नई किताबें...

गया है। अभी तक पहली क्लास से लेकर 8वीं तक की किताबें जारी की जा चुकी हैं। सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी क्लासेज की किताबें अगले वर्ष फरवरी से जुलाई के बीच उपलब्ध हो जाएंगी। सीनियर लेवल की क्लासेज की किताबें आने की टाइमलाइन फिक्स की गई है। 9वीं और 11वीं की ज्यादातर किताबें फरवरी 2026 तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं 10वीं व 12वीं की सभी किताबें जुलाई तक आ जाएंगी।

रंग तय करते ही विवाद शून्य, स्वास्थ्य संयोजक बनने 80% ने लगाई हाजिरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा कैंडिडेट्स के कपड़ों के रंग तय किए जाने के साथ ही विवादों की संख्या शून्य हो गई। रविवार को हुई स्वास्थ्य संयोजक भर्ती परीक्षा में प्रवेश के दौरान कपड़ों के रंग को लेकर किसी तरह की विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई। बिलासपुर में हुए हाईटेक नकल के बाद व्यापम ने परीक्षा संबंधित नियमों में बदलाव किए थे। नए नियमों के अनुसार, परीक्षार्थियों को केवल हल्के रंग के वस्त्रों में ही प्रवेश दिया जा सकेगा।

- पीएससी के बाद व्यापम ने भी तय कर दिए थे रंग

प्रदेश में 11 हजार 500, रायपुर में 2488 परीक्षार्थियों ने किया था आवेदन

ग्रामीण क्षेत्रों में होगी भर्ती

व्यापम ने रविवार को ग्रामीण स्वस्थ संयोजक पुरुष एवं ग्रामीण स्वस्थ संयोजक महिला भर्ती परीक्षा प्रथम पाली में 11 बजे से 1:15 बजे तक आयोजित की। परीक्षा संबंधित गोपनीय सामग्री सुबह 9 बजे जिला कोषालय कलेक्ट्रेट से वितरित की गई। नियमानुसार परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार 10.30 बजे बंद कर दिए गए थे। इसके लिए व्यापम को रायपुर में 2488 आवेदन मिले थे। इनमें 1837 परीक्षार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। पूरे प्रदेश में पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या 11 हजार 500 रही। इनमें से 80 प्रतिशत परीक्षा में शामिल हुए। अभ्यर्थियों के मुताबिक, प्रश्नपत्र औसत रहे। हालांकि कुछ सवाल ऐसे भी रहे, जिन्हें हल करने में अधिक समय लगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रिक्त स्वास्थ्य संयोजक के पदों पर इसके माध्यम से भर्ती होगी।

व्यापम ने अधिसूचना में केवल हल्के रंग का जिक्र किया था। हल्के रंग की श्रेणी में किन वस्त्रों को रखा जाएगा, इसे स्पष्ट नहीं किया गया था। इस कारण लगातार विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी। इसे देखते हुए व्यापम ने परीक्षा में पहने जाने योग्य हल्के रंग के कपड़ों को लेकर स्थिति स्पष्ट की थी। व्यापम के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, मैरून, बैंगनी, काला, चॉकलेट ब्राउन जैसे रंग पहनने की मनाही है।

पीएससी ने भी नए नियम परीक्षा को लेकर बनाए थे, लेकिन उनके द्वारा रंगों को लेकर पहले ही स्थिति स्पष्ट कर दी गई थी। अब व्यापम ने भी पीएससी की तर्ज पर उन रंगों की सूची जारी कर दी है, जिसे वे परीक्षा में नहीं पहन सकते हैं।

खबर संक्षेप

ऐसी हड़बड़ी, अवकाश के दिन आदेश जारी कर बदल दिया रविवि का रजिस्ट्रार

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग को पं.रविशंकर शुक्ल विवि का कुलसचिव बदलने इतनी जल्दी थी कि रविवार को ही विभाग ने आदेश जारी कर दिया। अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक योग्यता को लेकर सुर्खियो में रहे रविवि के पूर्व कुलसचिव डॉ.शैलेंद्र पटेल को पुनः प्रभार सौंप दिया गया है। वे फार्मेसी के प्रोफेसर डॉ.अंबर व्यास की जगह लेंगे। मई में बिलासपुर हाईकोर्ट ने शैलेंद्र पटेल को अयोग्य ठहराया था। पूर्व कुलसचिव ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे ले लिया। इसके बाद उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उन्हें पुनः नियुक्त कर कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आगामी आदेश अथवा अंतिम निर्णय के अधीन उन्हें पदस्थ किया जा रहा है। मई में हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि शैलेन्द्र पटेल कुलसचिव पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक और प्रशासनिक योग्यता को पूरा नहीं करते, इसलिए उनकी नियुक्ति नियमों के विरुद्ध है। इस मामले की अंतिम सुनवाई छह मार्च 2025 को हुई थी, जिसके बाद निर्णय को सुरक्षित रखा गया था।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने 150वीं वर्षगांठ पर गाया वंदेमातरम गीत

रायपुर। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम की 150वीं वर्षगाठ के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा वंदेमातरम का सामूहिक गायन डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के सामने किया गया। मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. सलीम राज ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस गीत की रचना की थी, इस ऐतिहासिक गीत को प्रथम बार सन 1896 में रविन्द्रनाथ टैगोर ने गाया था, इस गीत का गायन कर हम देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन करते हैं। मंच के प्रांत संयोजक युनूस कुरैशी ने कहा कि वंदेमातरम गीत का ही जोश था, जो देश की आजादी के लिए अशफाक उल्ला खान, शहीद हवलदार अब्दुल हमीद और अनेकों भारत माता के लाल ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई और आज हम आजाद भारत में रह रहे हैं। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम का गायन रेहाना खान ने किया। कार्यक्रम में इकबाल खान, मौलाना सलाम, गुलाम रसूल, सैयद मोहम्मद अली, आबिदा बेगम, शहाबुद्दीन, फिरोज मेमन, जमील कुरैशी, गुलाम गौस खान, फैजान अहमद, जीशान सिद्दीकी, हाजी प्यारे खान, रिजवान अहमद, मोनिस रजा, गुलाम मुस्तफा आदि शामिल थे।

निधन

कैलाश चंद्र मित्रा

रायपुर। गायत्री नगर निवासी, कालीबाड़ी समिति के वरिष्ठ एवं आजीवन सदस्य कैलाश चंद्र मित्रा का 9 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। वे अविन और प्रतीक मित्रा के पिता थे।

लंबे समय से नहीं हो रही नियमित भर्ती, संविदा डॉक्टर भी पर्याप्त नहीं मिल रहे

बीमार सरकारी अस्पतालों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की जरूरत, पद 1773, काम करने वाले 400 भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राज्यभर में संचालित जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत खराब है और इन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की जरूरत है। राज्य के शासकीय अस्पतालों में वैसे तो मरीजों के इलाज के लिए 1773 पद स्वीकृत हैं, मगर वास्तव में कार्यरत चिकित्सकों की संख्या 400 भी नहीं हैं। पर्याप्त डॉक्टर नहीं होने की वजह मरीजों को इलाज के लिए बड़े अस्पतालों का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

- बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को लगाने पड़ रहे बड़े अस्पताल के चक्कर

जानकारों का कहना है कि विभिन्न तरह की बीमारियों का प्रारंभिक चरण में इलाज जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल में होना चाहिए, मगर इन स्वास्थ्य केंद्रों में बीमारियों के इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को रेफर होकर बड़े अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। इसकी बड़ी वजह स्वास्थ्य विभाग के सरकारी अस्पताल में संचालित होने डॉक्टरों की पर्याप्त संख्या नहीं होना है। वैसे तो सेटअप के हिसाब से प्रदेश में संचालित 30 जिला अस्पताल, 232 सिविल अस्पताल, 195 सामुदायिक स्वास्थ्य, 31 मातृ शिशु हास्पिटल और अन्य प्राथमिक तथा उपस्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा विशेषज्ञ के 1773 पद स्वीकृत हैं, मगर इनमें काम करने वाले एमडी-एमएस डॉक्टरों की संख्या 400 से भी कम है। इसकी एकमात्र वजह शासन स्तर पर रिक्त पदों की पूर्ति के लिए सीधी भर्ती प्रक्रिया का आयोजन पीएचसी के माध्यम से नहीं किया जाना है। विभाग संविदा आधार पर तो इन कमियों को पूरा करने का प्रयास किया जाता है, मगर कम वेतन और जॉब सिक्योरिटी के अभाव में उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। इसकी वजह से चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद डॉक्टर शासकीय के बजाय निजी अस्पतालों की तरफ आकर्षित हो जाते हैं।

सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल का हाल भी ऐसा

मेडिकल कॉलेजों के अलावा वर्तमान में राज्य में संचालित डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल भी डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है। यहां एमसीएच डॉक्टरों के 58 पद, मगर काम करने वाले 32 हैं, जिसमें से केवल 2 नियमित और 30 संविदा हैं। सुपर स्पेशलिटी सेवा वाले डॉक्टरों का यहां आना-जाना लगा रहता है, क्योंकि वे नियमित नहीं हैं और निजी अस्पतालों से उन्हें बेहतर वेतन का ऑफर मिल जाता है। बिलासपुर में खोले गए सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में भी 78 पुराने पद हैं और 55 नए को स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में इन पदों पर ड्यूटीरत डॉक्टरों की संख्या 10 भी नहीं है।

चिकित्सा शिक्षा की हालत कुछ ठीक नहीं

स्वास्थ्य संचालनालय की तरह चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों के अस्पतालों की हालत भी कुछ ठीक नहीं है। राज्य में संचालित 10 मेडिकल कॉलेजों के अस्पतालों में डॉक्टरों के 2160 पद स्वीकृत हैं, मगर इनमें काम करने वालों की संख्या 1005 है और 1155 पद खाली हैं। शासन स्तर पर इन पदों को भरने के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय नए चिकित्सा महाविद्यालयों में 300 के करीब नए पदों को स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में डॉक्टरों की कमी से सबसे ज्यादा दुर्ग, महासमुंद और कांकेर जैसे मेडिकल कॉलेज जूझ रहे हैं।

बीएड वालों को निकाला, डीएलएड अभ्यर्थियों को नियुक्त करना भूले

शिक्षकों के 2300 पद रिक्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

डीएलएड अभ्यर्थियों ने सहायक शिक्षक के शेष 2300 पदों पर नियुक्ति प्रकिया शीघ्र प्रारंभ करने की मांग को लेकर रविवार को शिक्षा मंत्री का निज निवास घेरा। मंत्री के दुर्ग जिले में स्थित निवास का घेराव करने बड़ी संख्या में रायपुर से भी युवा पहुंचे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्राथमिक कक्षाओं के अध्यापन के लिए डीएलएड डिग्री अनिवार्य कर दी गई है। सहायक शिक्षक के पदों पर नियुक्त किए गए बीएड डिग्रीधारियों को विभाग द्वारा पद से हटाना पड़ा। इन रिक्त हुए पदों पर डीएलएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जानी थी, लेकिन अब तक यह हो नहीं सका। नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के बाद भी भर्ती संबंधित कोई प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की जा सकी है। अंततः डीएलएड अभ्यर्थी भी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए हैं।

- विरोध में सैकड़ों की संख्या में सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों ने घेरा शिक्षा मंत्री निवास

न्यायालय ने दिया है 2 माह का समय

अभ्यर्थियों ने कहा है कि बार-बार मांग उठाने और विभागीय स्तर पर कई बार आवेदन देने के बावजूद अब तक स्पष्ट निर्णय नहीं हुआ। विभाग की लापरवाही के कारण योग्य एवं शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। इस मुद्दे पर पीड़ित अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। उच्च न्यायालय ने 26 सितंबर के अपने आदेश में दो माह के भीतर रिक्त 2300 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने निर्देश दिए, लेकिन 45 दिन हो जाने पर भी विभाग द्वारा काउंसिलिंग के संदर्भ में किसी तरह की अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

कम संख्या में काउंसिलिंग कर अनावश्यक देरी

अभ्यर्थियों का कहना है कि विभाग द्वारा 1:1 के अनुपात में अर्थात सीट पर 1 ही अभ्यर्थी को काउंसिलिंग के लिए बुलाकर अनावश्यक विलंब किया जाता है। उनकी मांग है कि छठवें चरण की कांउसलिंग प्रकिया 1:3 के अनुपात में कराया जाए ताकि दो माह के अंदर 2300 पदों को भरा जा सके। अभ्यर्थियों का कहना है कि न्यायालय के आदेश एवं पद रिक्त होने के पश्चात भी अभी तक विभाग की ओर से कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। उनका कहना है, कई बार कैबिनेट मंत्रियों एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर चुके अभ्यर्थियों को केवल आश्वासन ही मिला था।

बिजनेस साइट

रायपुर में बैंक ऑफ बड़ौदा का वृहद किसान मेला आयोजित

रायपुर। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा 'बड़ौदा किसान पखवाड़ा' के अंतर्गत वृहद किसान मेला, ऋण शिविर एवं वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैंक के कार्यपालक निदेशक लाल सिंह, महाप्रबंधक दिवाकर पी. सिंह, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. ज्ञानेंद्र मणि सहित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मेले में 1000 से अधिक किसानों व ग्रामीण प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर 300 करोड़ से अधिक कृषि ऋण स्वीकृत एवं वितरित किए गए। श्री लाल सिंह ने कहा कि भारत के किसान देश की रीढ़ हैं और बैंक ऑफ बड़ौदा उनके विकास हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल गोल्ड लोन जैसी पहल को किसानों के लिए लाभकारी बताया। कार्यक्रम का समापन रायपुर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख प्रदीप कुमार यादव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जीके इलेक्ट्रिक ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में दिखाई अपनी नई ईवी रेंज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्थापना के 25वें राज्योत्सव रजत महोत्सव में राज्य की नंबर-1 ईवी थ्री-व्हीलर ब्रांड जीके इलेक्ट्रिक ने अपनी नई इलेक्ट्रिक कमर्शियल रेंज प्रदर्शित की। कंपनी का आकर्षक स्टॉल पूरे आयोजन में चर्चा का केंद्र रहा। इस अवसर पर डायरेक्टर पुनीत परवानी ने कहा कि जीके ग्रुप राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में निरंतर योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि नया मॉडल जीके इलेक्ट्रिक अल्ट्रा+ आधुनिक 'ऑटो शेप' डिजाइन में है, जिसमें 3 साल की बैटरी वारंटी, 48 घंटे की अपटाइम गारंटी और हाइड्रोलिक सस्पेंशन जैसी सुविधाएं हैं। वहीं कार्गो एक्सएल छोटे व्यापारियों के लिए तैयार किया गया है, जो संकरी जगहों पर भी आसानी से चल सकता है। कंपनी अब तक 4000 से अधिक वाहनों की बिक्री कर चुकी है, जिससे लगभग 41.56 मीट्रिक टन सीओ2 की बचत हुई है। जीके इलेक्ट्रिक का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी ईवी को बढ़ावा देना और स्वच्छ, हरित भारत की दिशा में योगदान देना है।

ग्रीन आर्मी ने महाराजबंद तालाब की दयनीय स्थिति पर जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राजधानी का ऐतिहासिक महाराजबंद तालाब वर्तमान में अपनी पहचान खोने की कगार पर है। हमारी संस्कृति, आस्था और पर्यावरणीय धरोहर के प्रतीक सरोवर अब लापरवाही और गंदगी के शिकार हो रहे हैं।

- संस्थापक अमिताभ दुबे ने कहा- शासन को ध्यान देने की जरूरत

ग्रीन आर्मी के संस्थापक अमिताभ दुबे ने राजधानी के तालाबों पर चिंता जाहिर करते हुए पत्रकारवार्ता में बताया कि महाराजबंद तालाब रायपुर के मध्य में स्थित है, आज अत्यंत दयनीय स्थिति में पहुंच चुका है। यह तालाब कल्चुरी राजा ब्रम्हदेव के काल में निर्मित हुआ था और धार्मिक रूप से अत्यंत पवित्र स्थल माना जाता है। वर्तमान में तालाब में गंदगी और कचरे का अंबार लगा है,

जलकुंभी और खरपतवार ने पूरे क्षेत्र को ढंक लिया है और वर्षों से कोई गहरीकरण कार्य नहीं हुआ। घरों और नालियों का गंदा पानी सीधे तालाब में गिर रहा है, जबकि एसटीपी निष्क्रिय पड़ा हुआ है। इस पर शासन को ध्यान देने की जरूरत है। इस दौरान रायपुर जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा, ब्लू विंग अध्यक्ष भारती श्रीवास्तव, प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु, ब्राउन विंग अध्यक्ष पं. विनीत शर्मा तथा ग्रीन आर्मी के पदाधिकारी व सदस्य भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर 11 छात्रावासों में साक्षरता शिविर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर द्वारा रविवार को शहर के 11 छात्रावासों में विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशन तथा सचिव अविनाश कुमार दुबे के मार्गदर्शन में किया गया।

- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशन में हुआ आयोजन

आयोजित साक्षरता शिविर में मुख्य रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध एवं उनके बचाव के उपाय, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, यातायात एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम, साइबर अपराध जागरूकता, गुड टच-बैड टच, नालसा की

योजनाएं, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट एवं रैगिंग एक्ट, बाल तस्करी एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, निशुल्क विधिक सहायता अधिकार पर विस्तृत जानकारी दी गई। अलग-अलग छात्रावासों में आयोजित शिविर में ढाई हजार से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हुए। विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन शासकीय पोस्ट मैट्रिक छात्रावास शंकर नगर, प्रयास बालिका छात्रावास गुढ़ियारी, प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सड्डू, पोस्ट मैट्रिक छात्रावास पेंशनबाड़ा, आदर्श पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति छात्रावास टिकरापारा आदि में किया गया।

पेज 11 के शेष ...

फायरमैन की हकीकत...

लड़का निकला। गाड़ियों को तथा गोदाम को आग के हवाले किए जाने की घटना के बाद स्थानीय रहवासियों ने थाने का घेराव कर पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए नशेड़ियों द्वारा आग लगाने का आरोप लगाया। रहवासियों ने आग लगाने वालों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन करने की धमकी दी। लोगों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल पर लगे अलग-अलग जगह के सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की तो एक छोटा बच्चा एक दोपहिया से पेट्रोल निकालते दिखा। साथ ही पेट्रोल को एक दोपहिया की सीट पर उड़ेलने के बाद आग लगाते दिखा। बच्चे की पहचान कर पुलिस ने उसके परिजनों को थाने तलब कर बच्चे से पूछताछ की तो बच्चे ने गाड़ियों में आग लगाने की बात कबूल की।

पुरानी बस्ती के 4 परिवारों ...

प्रभावित परिवारों को उन्होंने आश्वस्त किया कि बोर्ड की ओर से उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।शिकायतकर्ता मुतवल्ली ने गलत जानकारी देकर वक्फ बोर्ड को गुमराह किया है जिस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार के समय पुरानी बस्ती के लोगों को वक्फ बोर्ड द्वारा नोटिस दिए जाने से मामला गरमाया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने 29 अक्टूबर को बोर्ड कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। नोटिस प्राप्त 4 प्रभावित परिवारों सहित आसपास के लोगों के साथ विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वक्फ बोर्ड के काले कानून को वापस लिए जाने की मांग करते हुए धरना दिया। बोर्ड कार्यालय के सामने महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए नोटिस वापस लेने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने बोर्ड दफ्तर घेराव से पहले बैजनाथ मंदिर मोतीबाग चौक में एकत्र होने के बाद रैली के रूप में वक्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचे। पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी सड़क पर घंटों प्रदर्शन किया गया था।

ये था मामला...

वार्ड पार्षद अजय साहू ने प्रभावितों के साथ बोर्ड के दफ्तर भी गए, पर बोर्ड के अध्यक्ष से उनकी मुलाकात नहीं हुई।

इसके लिए 6 नवंबर का समय दिया गया। इसी कड़ी में 8 नवंबर को बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज पुरानी बस्ती के संबंधित क्षेत्र में स्थल निरीक्षण के लिए पहुंचे। वहां उन्होंने प्रभावितों के अलावा ब्राह्मणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू, भाजपा के वरिष्ठ नेता संदीप शर्मा के साथ स्थल का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने पाया कि शिकायतकर्ता ने उनसे झूठी शिकायत की है। कब्रिस्तान वाली जगह 200 मीटर दूरी पर है, उसके आसपास कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है।

कोल घोटाले के आरोपी ...

2022 को शाम छह से सात बजे के बीच तलविंदर तथा अन्य ने उसके किराए के मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। ज्योति द्वारा थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, चोरी करने के बाद निखिल की पत्नी तथा अन्य ने उसकी बगैर अनुमति के उसके घर में अपना ताला लगा दिया। ज्योति के आरोपों के अनुसार, घर में ताला लगाने के साथ निखिल की पत्नी तथा अन्य ने रोजमर्रा के काम आने वाला घरेलू सामान अपने साथ ले गए। ज्योति ने पुलिस को घटना का सीसीटीवी फूटेज पुलिस को एक पेन ड्राइव में सौंपा है।

9वीं से 12वीं कक्षा तक ...

गया है। अभी तक पहली क्लास से लेकर 8वीं तक की किताबें जारी की जा चुकी हैं। सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी क्लासेज की किताबें अगले वर्ष फरवरी से जुलाई के बीच उपलब्ध हो जाएंगी। सीनियर लेवल की क्लासेज की किताबें आने की टाइमलाइन फिक्स की गई है। 9वीं और 11वीं की ज्यादातर किताबें फरवरी 2026 तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं 10वीं व 12वीं की सभी किताबें जुलाई तक आ जाएंगी।

सरगुजा विवि के लिए जनवरी तो रायगढ़ विवि के लिए अगस्त में जारी हुआ था विज्ञापन

रायगढ़ विवि का कुलपति बनने 27 आवेदन, रविवार को साक्षात्कार सरगुजा के लिए 32 अर्जियां, इंटरव्यू के 2 माह बाद भी पद रिक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

शहीद नंदकुमार पटेल विवि रायगढ़ में कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए रविवार को साक्षात्कार हुआ। रायगढ़ विवि में कुलपति पद के लिए विज्ञापन 19 अगस्त को जारी किया गया था। इसके लिए मात्र 27 आवेदन ही प्राप्त हुए थे। सूत्रों के अनुसार, आधे से अधिक आवेदन छत्तीसगढ़ से बाहर के विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापक द्वारा किए गए हैं। पं.रविशंकर शुक्ल विवि के तीन प्राध्यापकों द्वारा भी रायगढ़ विवि में कुलपति बनने आवेदन किए गए हैं। रायगढ़ के पूर्व कुलपति डॉ.पटेरिया ने भी आवेदन किया था। रविवि के प्रो.ब्रम्हे और प्रो.एके श्रीवास्तव सहित कई अन्य नाम भी आवेदन कर्ताओं की सूची में शामिल है।

रविवार को अंतिम दौर में चयनित उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया था। सूत्रों के अनुसार, उनसे विवि के लिए उनकी आगामी योजनाएं पूछी गईं। अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्होंने अपनी योजनाओं सहित अपनी अब तक की उपलब्धियां बताईं। 2025 अंत तक विवि के नए कुलपति की घोषणा संभावित है। अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में रायगढ़ विवि को अधिक इंतजार नए कुलपति के लिए नहीं करना पड़ेगा। यहां पद रिक्त होते ही आवेदन प्रारंभ कर दिए गए थे।

रविवि के तीन प्राध्यापक भी सूची में शामिल, साक्षात्कार में पूछा विवि के लिए उनकी योजनाएं

सरगुजा विवि में भी कम रही संख्या

पिछले एक साल के अंतराल में दुर्ग विवि, सीएसवीटीयू सहित कई अन्य विश्वविद्यालयों को भी नए कुलपति मिले हैं। प्राध्यापकों में सर्वाधिक क्रेज रविवि का कुलपति बनने रहता है। दुर्ग विवि और स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि के लिए भी 50 से अधिक आवेदन मिले थे। यहां संख्या 60-70 तक पहुंच गई थी। लेकिन बस्तर और सरगुजा संभाग के विश्वविद्यालयों में अधिक दिलचस्पी देखने को नहीं मिल रही है। संत गाहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा में भी कुलपति बनने सिर्फ 32 आवेदन ही मिले थे। यहां साक्षात्कार लगभग दो माह पूर्व ही हो चुका है। अब तक कुलपति के नाम की घोषणा नहीं हुई। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति के लिए आवेदन की प्रक्रिया 14 जनवरी 2025 को शुरू हुई थी।

पत्रकारिता विवि को भी इंतजार

प्रदेश में फिलहाल तीन विश्वविद्यालयों को नए कुलपति का इंतजार है। इनमें रायगढ़ और सरगुजा विवि के साथ पत्रकारिता विवि भी शामिल है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि के लिए प्रथम बार जारी विज्ञापन को रद्द कर दोबारा विज्ञापन जारी किया गया था। पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुभव संबंधित मापदंड में इस दौरान बदलाव किया गया था। इसके लिए भी आवेदन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, लेकिन अब तक यहां भी नियुक्ति नहीं हो सकी है।

खबर संक्षेप

युवा शिविर के समापन में उमड़ा जनसैलाब

रायपुर। युवा सेवा संघ की ओर से वीआईपी रोड स्थित आश्रम में दो दिवसीय आयोजित राज्य स्तरीय तेजस्वी युवा शिविर का समापन रविवार को किया गया। इस शिविर में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से हजारों युवा लाभ ले रहे हैं। रायपुर आश्रम के संचालक रामा भाई ने बताया कि आश्रम परिसर में युवाओं को तेजस्वी, संयमी, चरित्रवान बनने के साथ-साथ हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य से दो दिवसीय तेजस्वी युवा शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें मुख्य वक्ता अहमदाबाद आश्रम से आए युवा सेवा संघ प्रमुख भाई संजय अरोरा का मार्गदर्शन युवाओं को मिला। युवा सेवा संघ का परिचय, उद्देश्य, अनुभव सत्र, जीवन में नियम-निष्ठा का महत्व, युवाधन सुरक्षा सत्र, संगठन को कैसे मजबूत करें, तुलसी पूजन एवं मातृ-पितृ पूजन प्रशिक्षण के साथ युवाओं का मानसिक, आध्यात्मिक व शारीरिक विकास कैसे ही इस पर भी सत्र लिए गए। साथ ही योगासन, प्रणायाम का अभ्यास करवाकर ध्यान की गहराई में जाने के बारे में बताया गया। सूर्य भगवान को सामूहिक अर्घ्य देकर युवाओं ने पंचगव्य का सेवन किया, जिससे शरीर की हड्डियों तक के रोगों में लाभ होता है। शिविर में युवाओं को सत्प्रेरणा देने वाली संतों-महापुरुषों की जीवन पर आधारित वीडियो दिखाया गया। इस शिविर में युवा सेवा संघ के मुख्य रूप से चंदू, जनक, पवन, संजय, भूपेश, राजाराम, माधव, अनूप, अभिषेक, भोला, राकेश, एनआर साहू, भीषम का विशेष सहयोग रहा।

खुले में शराब पीते पकड़ी गई महिला, गिरफ्तार

रायपुर। थाना डीडीनगर क्षेत्र में पुलिसकर्मियों ने 9 नवंबर को पेट्रोलिंग के दौरान खुले में शराब सेवन के मामले में कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, सहायक उपनिरीक्षक अपने हमराह आरक्षकों के साथ अभियान कार्यवाही पर रवाना हुए। भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि इन्द्रप्रस्थ फेस-2 में कुछ लोग खुलेआम शराब का सेवन कर रहे हैं। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां कुछ लोग शराब पीते मिले। पुलिस को आते देख वे सभी मौके से भाग निकले। इस दौरान पुलिस ने एक महिला को शराब पीते हुए पकड़ा।

ग्राहकों को नहीं मिल पा रहा है सस्ती सब्जियों का फायदा

चिल्हर में सब्जियों में लूट, थोक से दाम दोगुना 70 का मटर 200 रुपए, 45 का धनिया 120 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

ठंड के मौसम के आगाज के साथ ही सब्जियों के दाम बहुत कम हो गए हैं, लेकिन चिल्हर बाजार में ऐसी लूट मची है कि थोक से डेढ़ से दोगुने ज्यादा दाम ग्राहकों से वसूले जा रहे हैं। मटर की नई फसल आने के बाद डूमरतराई थोक सब्जी मंडी में इसके दाम 50 से 70 रुपए किलो हैं, लेकिन चिल्हर में इसे 50 रुपए पाव के हिसाब से 200 रुपए किलो तक बेचा जा रहा है। इसी तरह से बाकी सब्जियों में भी भारी मुनाफाखोरी हो रही है। 40 से 45 रुपए किलो का धनिया 30 रुपए पाव से कहीं कम नहीं मिल रहा है। सज्जन सब्जियों में जिसकी गिनती होती है, ऐसे कद्दू और लौकी के दाम थोक में जरूर ज्यादा हो गए हैं, लेकिन चिल्हर में इसके दाम भी डबल हैं।

सब्जियों में हमेशा से चिल्हर में लूट का काम होता है। चिल्हर में कोई माई-बाप नहीं है, जिसकी जितनी मर्जी, उतने दाम पर सब्जी बेचते हैं। कई सब्जी मंडियों में तो वहां के विक्रेता सिंडिकेट बनाकर भी काम करते हैं। रोज सुबह वाट्स एप ग्रुप में सब्जियों के दाम तय करके उसी दाम पर बेचते हैं। कोई कम दाम पर बेचता है तो उसे ग्रुप से बाहर कर धमकाने का भी काम होता है।

चिल्हर में कोई माई-बाप नहीं, जिसकी जितनी मर्जी, उतने दाम

मटर सबसे महंगा आमतौर पर मटर की नई फसल के आने के बाद इसके दाम चिल्हर में 30 से 40 रुपए पाव से ज्यादा नहीं होते, लेकिन राजधानी के बाजार में इस समय बहुत कम स्थानों पर इसको 40 रुपए पाव में बेचा जा रहा है, ज्यादातर सब्जी मंडियों में इसके दाम 50 रुपए पाव हैं। जबकि डूमरतराई थोक मंडी में तीन-चार दिनों से जबलपुर से आ रहे मटर को 50 से 70 रुपए किलो में बेचा जा रहा है। एक दिन पहले ही प्रारंभ में मटर के दाम 70 रुपए रहे, इसके बाद जब इसकी बिक्री कम हुई तो इसके दाम 50 रुपए किलो कर दिए गए। चिल्हर बाजार में इसके दाम दो से तीन गुना लिए जा रहे हैं।

थोक और चिल्हर में बहुत अंतर

थोक और चिल्हर में सब्जियों के दाम में बहुत अंतर है। फूलगोभी थोक में 40 रुपए और चिल्हर में 60 से 80 रुपए, पत्तागोभी थोक में 15 रुपए, चिल्हर में 30 से 40 रुपए, बैंगन थोक में 25 से 30 रुपए और चिल्हर में 40 से 50 रुपए, करेला थोक में 30 रुपए, चिल्हर में 60 रुपए, भिंडी थोक में 50 रुपए, चिल्हर में 80 रुपए, पालक भाजी थोक में 30 रुपए ,चिल्हर में 60 रुपए, धनिया थोक में 40 से 45 चिल्हर में 120 रुपए, कद्दू थोक में 18 से 20 रुपए, चिल्हर में 40 रुपए, लौकी थोक में 20 से 25 रुपए, चिल्हर में 40 रुपए, मेथी थोक में 60 से 70, चिल्हर में 120 रुपए, टमाटर अच्छी क्वालिटी का थोक में 15 रुपए चिल्हर में 30 रुपए किलो तक बिक रहा है।

थोक में सब्जियों के दाम कम

ठंड के साथ ही सब्जियों की भरपूर आवक होने के कारण इसके दाम थोक में बहुत कम हो गए हैं। नया मटर थोक में 50 से 70 रुपए किलो बिक रहा है।

- टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई सब्जी मंडी

11 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन की तैयारी में फेडरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर रविवार को दीपावली मिलन एवं पदाधिकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के विभिन्न कर्मचारी संगठनों के नेता, सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान फेडरेशन द्वारा कर्मचारियों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर आगामी निश्चितकालीन आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि आंदोलन की अंतिम रणनीति फेडरेशन की कोर कमेटी की बैठक में तय की जाएगी।

समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन पेंशनर्स फोरम के प्रदेश संयोजक बीपी शर्मा ने पेंशनरों की ज्वलंत समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए पेंशनरों के हित में लिए गए निर्णयों से अवगत कराया। इस अवसर पर फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा ने फेडरेशन के अब तक के संघर्षों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को अपने अधिकारों की रक्षा और सम्मान के लिए एकजुट होकर संघर्षरत रहना होगा। प्रांतीय संरक्षक सुभाष मिश्रा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न संगठनों के प्रांतीय अध्यक्षों का एक मंच पर आना समय की मांग है। फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों के संबंध में स्पष्ट किया है कि यदि शासन द्वारा इन 11 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ करेगा।

शराब खरीदने गए ऑटो चालक से की मारपीट

रायपुर। पंडरी क्षेत्र में शराब दुकान में शराब खरीदने गए आटो चालक से मारपीट के मामले में पुलिस ने शिकायत दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 9.50 बजे काउंटर पर पैसे देते समय टिंगू सोनवानी अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचा और पीड़ित के हाथ से पैसे छीनने का प्रयास किया। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट शुरू कर दी।

हाथ नहीं आया धान का टोकन, किसानों की शिकायत- डाउनलोड नहीं हो रहा एप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए राज्य के किसानों के हाथ टोकन नहीं आया है। 9 नवंबर से तुंहर टोकन एप के माध्यम से किसानों को टोकन मिलना था। किसानों की शिकायत है कि तुंहर टोकन एप प्ले स्टोर से डाउनलोड ही नहीं हो रहा है। वहीं सहकारी समितियों के प्रबंधक और ऑपरेटरों के हड़ताल में चले जाने के कारण यह स्थिति बनी है। बताया जा रहा है कि सहकारिता विभाग उनकी हड़ताल खत्म कराने के लिए कर्मचारी संघ से लगातार चर्चा कर रहा है। संघ के पदाधिकारियों की सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के साथ हुई वार्ता

विफल होने की जानकारी मिली है। छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 26 लाख 49 हजार से अधिक किसान पंजीकृत हो चुके हैं। पिछले सीजन के मुकाबले यह संख्या एक लाख अधिक है। राज्य में किसानों से धान खरीदी शुरू करने के सिलसिले में खाद्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

छोटे किसानों को 2, बड़े किसानों को 3 टोकन

धान खरीदी के संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी महत्वपूर्ण निर्देशों में कई अहम बिंदु शामिल हैं। यदि कृषक द्वारा अंतिम टोकन में प्रविष्ट की गई धान की मात्रा उपार्जन केंद्र में निर्धारित खरीदी लिमिट से अधिक होती है तो उस स्थिति में उक्त उपार्जन केंद्र में खरीदी लिमिट के 30 प्रतिशत तक का अधिक का उपार्जन किया जा सकेगा। सीमांत कृषक एवं लघु कृषक का अधिकतम 2 टोकन एवं दीर्घ कृषक (5) एकड़ वाले को अधिकतम 3 टोकन बनाने की अनुमति है, जिसमें निरस्त किए गए टोकन भी शामिल होंगे।

सहकारिता मंत्री से वार्ता विफल

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने सहकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों से चर्चा कर हड़ताल से लौटने का आव्हान किया। संघ की कुछ मांगों पर उन्होंने सहमति दी है। सूत्रों के अनुसार, संघ के पदाधिकारी इससे सहमत नहीं हुए और उन्होंने मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रखने की बात कही है। बताया गया है कि कल फिर से मार्कफेड के एमडी और समिति प्रबंधकों के साथ बैठक होगी। बैठक में मांगों पर निर्णय लिए जा सकते हैं। संघ के पदाधिकारियों ने इस बैठक में नहीं जाने का मन बना लिया है। यह बताया गया है कि धान खरीदी के संबंध में मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक 14 नवंबर को होनी है।

छत्तीसगढ़ में हो रहा है जैव ईंधन के उत्पादन में 3500 करोड़ का निवेश, अतिशेष चावल से बनाएंगे एथेनाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा राजधानी रायपुर में बायोफ्यूल एण्ड बायो एनर्जी एक्सपो का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल रोडमैप विजन 2024-29 पर आयोजित सेमीनार में बायोफ्यूल तकनीक पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के सीईओ सुमित सरकार ने छत्तीसगढ़ के जैव ईंधन रोडमैप की चर्चा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य को बायोफ्यूल के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की पहल की जा रही है।

3500 करोड़ का निवेश: सीईओ सुमित सरकार ने बताया कि छत्तीसगढ़ में निजी कंपनियों द्वारा छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-2030 के अनुरूप लगभग 3500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। गैल और बीपीसीएल जैसी ओजीएमसी ने विभिन्न यूएलबी में 8 एमएसडब्ल्यू,बायोमास आधारित संपीड़ति बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ओएनजीसी ग्रीन और एचपीसीएल ग्रीन वर्तमान में सीबीजी उत्पादन इकाईयां स्थापित करने के लिए विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण करा रही हैं।

हो रहा है ये परीक्षण: राज्य में चावल, मक्का और चने के अवशेषों का उपयोग करके बायोएथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए फीडस्टॉक-आधारित परीक्षण किया जा रहा हैं। इसके साथ ही कृषि अपशिष्ट को सब्सट्रेट के रूप में उपयोग करके एंजाइम उत्पादन परीक्षण और नए माइक्रोबियल स्ट्रेन का संवर्धन हो रहा है। उन्होंने बताया कि बायो-विमानन ईंधन के क्षेत्र में सीबीडीए अब बायोमास-आधारित हाइड्रोजन के उत्पादन की तैयारी कर रहा है, जिसका उपयोग बाद में हाइड्रोप्रोसेस्ड एस्टर और फैटी एसिड तकनीक के माध्यम से एसएएफ उत्पादन के लिए किया जाएगा।

अतिशेष चावल से बनेगा बायोएथेनॉल

छत्तीसगढ़ में अधिशेष चावल को प्राथमिक फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करके बायोएथेनॉल उत्पादन के लिए पहले ही एक मानक संचालन प्रक्रिया विकसित कर ली है। हाल ही में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई), कानपुर के सहयोग से, सीबीडीए बायोफ्यूल कॉम्प्लेक्स स्थल, ग्राम गोढ़ी, जिला दुर्ग में एक वैकल्पिक फीडस्टॉक स्थापित करने के लिए चुकंदर की खेती पर परीक्षण शुरू किया है। अगला कदम इथेनॉल उत्पादन के लिए इसकी क्षमता का परीक्षण करना है, जिससे भारत के 20 प्रतिशत मिश्रण लक्ष्य और उससे आगे की उपलब्धि में सहायता मिलेगी, जिससे इस पहल की निरंतर सफलता सुनिश्चित होगी।

गैल के सीजीएम ने दी ये जानकारी

इस सेमीनार में गैल के सीजीएम मोहम्मद नजीब कुरैशी और डीजीएम जितेन्द्र पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के पाइप लाईन नेटवर्क के बारे में जानकारी दी। बीपीसीएल के डीजीएम संजय ठाकुर ने छत्तीसगढ़ में कम्प्रेस बायोगैस की संभावनाओं के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। इसी प्रकार रिलायंस इंडस्ट्रीज के डीजीएम सुशील वर्मा ने धान से कम्प्रेस बायोगैस उत्पादन के बारे में जानकारी दी। इसी प्रकार आरईवीवाय के इन्वारमेंटल साल्यूशन प्रा.लि. के फाउंडर डायरेक्टर डॉ. वनिता प्रसाद ने बायोगेस प्लांट के संचालन, एट्रीएम इनोवेशन प्रा.लि. पुणे के डायरेक्टर राजेश दाते ने एनोरोबिक काम्पोस्टिंग सिस्टम, इंग्रोटेक एक्वा इंजीनियर्स प्रा.लि. संबलपुर के मैनेजिंग डायरेक्टर सुकांत कुमार मेहेर ने एसटीपी प्लांट से कम्प्रेस बायोगैस की उत्पादन की संभावनाओं और एईसी एग्रीटेक के सीईओ जितेंद्र नारायण ने कम्प्रेस बायोगैस पॉलिसी, प्रोक्योरमेंट और प्राइसिंग के बारे में जानकारी दी।

कोलकाता के भरोसे हो रही कई जांच

आधा दर्जन कर्मचारियों के भरोसे दवाओं की जांच करने वाला एकमात्र लैब, सैंपल ज्यादा, इसलिए पेंडेंसी भी अधिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बाजार में बिकने वाली दवाओं की गुणवत्ता की जांच करने वाला राज्य का एकमात्र लैब आधा दर्जन कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है। टेस्टिंग के लिए यहां राज्यभर से सैंपल आते हैं, जिसकी रिपोर्ट मिलने में दो महीने तक का वक्त लग जाता है। यहां नए पदों पर भर्ती की योजना तो है, मगर इसके लिए नया लैब तैयार होने का इंतजार है। वर्तमान में दवाओं से संबंधित माइक्रोबायोलॉजी सहित अन्य जांच कोलकाता के भरोसे होती है। इस लैब को अभी एनएबीएल की मान्यता भी नहीं है।

राज्यभर में दवा दुकानों से उठाए जाने वाले ड्रग के सैंपल राज्य के एकमात्र शासकीय लैब भेजे जाते हैं। यह लैब अभी संसाधनों के अभाव से जूझ रहा है। खासकर यहां कर्मचारियों की संख्या बेहद सीमित है, इसलिए संवेदनशील दवाओं को छोड़कर नियमित मामलों में जांच के लिए आने वाले नमूने की टेस्टिंग में दो महीने तक का वक्त लग जाता है। इसकी वजह से कई बार दवा के प्रकरण की जांच भी प्रभावित होती है। वैसे तो इस लैब में विभिन्न स्तर के 19 पद हैं।

इस तरह मानव संसाधन की कमी

सीनियर साइंटिफिक अधिकारी -	2
सीनियर असिस्टेंट -	1
जूनियर असिस्टेंट-	14
माइक्रो बायोलॉजिस्ट-	2

कफ सिरप अभियान के सैंपल डंप

पड़ोसी राज्य में कफ सिरप के सेवन से होने वाली मौत के बाद सक्रिय खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने राज्यभर से कफ सिरप के सैंपल लिए थे। इन नमूनों की पूरी जांच नहीं हो पाई है। इसलिए रायपुर समेत अन्य जिलों के सैंपलों पर आवश्यक कार्रवाई अटकी हुई है। पिछले महीने यहां हुई जांच में विभिन्न तरह की आठ दवाओं को अमानक पाया गया था।

सैकड़ों करोड़ का कारोबार

छत्तीसगढ़ दवा के कारोबार का बड़ा सेक्टर है। यहां से झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में दवा सप्लाई की जाती है। इसके अलावा दूसरे राज्यों में बनने वाली दवाएं यहां पहुंचती हैं। इन दवाओं को रिटेलर्स के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाने के लिए जांच आवश्यक है। इसके लिए लैब के साथ मैदानी अमले को भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 10 नवंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

हवा में स्टंट... राइडर्स ने उबड़-खाबड़ ....

लाइव इवेंट

बच्चों को मोबाइल से दूर रखने उनके साथ ज्यादा समय बिताएं

रायपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में पालकों के लिए गुड पेरेंटिंग अच्छे पालकों का कर्तव्य विषय पर रविवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान आज के व्यस्ततम समय और कामकाजी पालकों की समस्या सहित बच्चों के लालन-पालन में उनकी भागीदारिता पर चर्चा की गई। वर्तमान में मोबाइल सिड्रोंम से बच्चों को भी बचाने और पालकों को खुद उससे दूर रहकर बच्चों के साथ समय बिताने की बातें कही। छोटी तकनीकों के क्रियान्वयन कर अच्छे पालकों के कार्यभार से अवगत कराया गया।कार्यशाला के शुरुआत मुख्य अतिथि प्रवीण पृथी का स्वागत संगीता शाजी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। सुबह 10 बजे शुरु हुई कार्यशाला में प्रवीण पृथी ने आज के व्यस्त और कामकाजी पालकों की समस्या एवं बच्चों के लालन-पालन में उनकी भागीदारिता विषय पर चर्चा की।

बच्चों का विकास करने नए पाठ्यक्रमों का समावेश

कार्यशाला के अगले सत्र में निदेशिका पुनीता ने विद्यालय द्वारा बच्चों के विकास के लिए कई नये कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों को समावेश करने की जानकारी दी। नए पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे को मंच पर आने का अवसर प्रदान करना, बच्चो के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें अनुशासित कर अच्छे आचरण, खान-पान, व्यावहारिक ज्ञान, खेल-कूद के महत्व को नियमित पाठ्य क्रम में लाने, हर तीन महीनों में कार्यशाला का आयोजन करने, पालकों द्वारा अपेक्षित प्रत्येक क्षेत्र पर सकारात्मत कार्य करने, बच्चों के लिये विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाने जहां आकर बच्चे को सबसे ज्यादा ख़ुशी महसूस हो सके इस बात का ध्यान रखा जायेगा। अच्छे शिक्षा पद्धति के कारण पालकों द्वारा बच्चों को ट्यूशन न भेजना पड़े इस बात का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

सिटी इवेंट

विद्यार्थियों ने सीखे आत्मनिर्भरता साहस और टीम भावना के गुर

रायपुर। तीन दिवसीय स्काउट्स एवं गाइड्स रैली में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने जीवन में चरित्र निर्माण, सेवा भावना को विकसित कर अनुशासन, टीमवर्क और आत्मनिर्भरता के गुर सीखे। तीन दिनों तक चले प्रशिक्षण के दौरान स्काउट–गाइड ने अलग-अलग कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी निभाई। समापन पर सभी को समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। समापन अवसर पर श्रेष्ठ स्काउट, श्रेष्ठ गाइड और श्रेष्ठ टुकड़ी सहित विभिन्न प्रतियोगिता में विजेताओं को को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। यह रैली भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ, भिलाई और भिलाई इस्पात संयंत्र, शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई थी, जिसमें 9 विद्यालयों की 12 टुकड़ियों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

तीनों दिन हुई कई प्रतियोगिताएं

तीन दिवसीय इस शिविर में स्काउट्स एवं गाइड्स ने न्यूनतम संसाधनों में जीवन यापन के साथ-साथ विभिन्न जीवनोपयोगी प्रतियोगिताओं में अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। शिविर के पहले दिन स्काउट-गाइड प्रार्थना, नियम-प्रतिज्ञा, गांठ, लाठी द्वारा पायनियरिंग, स्मृति परीक्षण और कलर पार्टी परेड की प्रतियोगिताएं हुईं। दूसरे दिन कुकिंग, समूह नृत्य, बी.पी.-6, श्रेष्ठ स्काउट एवं गाइड चयन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। तीसरे दिन प्राथमिक उपचार, रंगोली, हस्तकला और तंबू निर्माण की प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन के लिए निर्णायकों में नीता चौरसिया, केशरीन बेग, शकुन्तला द्विवेदी, सुमन साहू और अनिकेष घोष को मुख्य अतिथि द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय चित्रकला स्पर्धा में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी

रायपुर। महाकोशल कला परिषद द्वारा राष्ट्रीय चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। स्पर्धा में कुल 128 कलाकारों ने भाग लिया, जिनमें 15 मेंटोर कलाकारों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। 50 रचनाओं का चयन प्रदर्शनी के लिए किया गया है। इसमें 20 से अधिक कलाकारों को पुरस्कृत किया जाना है।

विजेताओं की सूचीः प्रथम पुरस्कार में पायल पटेल, सौम्या चौधरी, उमेश कुमार साहू, कुलेश्वर साहू, द्वितीय पुरस्कार में स्वर्णिका सेन गुप्ता, प्रतिमा जगत, आलौक पटेला, प्रियांशी वर्मा और तृतीय पुरस्कार में कु. टिकेन्द्र साहू, गरिमा सोनी, लोकेश्वर साहू, सौरभ साहू हैं।

● एनआईटी रायपुर के 16वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा हुए शामिल

डिग्री मिलते ही खिले चेहरे, टॉपर्स बोले अब रिसर्च और यूपीएससी है अगला मुकाम

एनआईटी रायपुर का 16वां दीक्षांत समारोह का आयोजन रविवार को दोपहर दो बजे साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में किया गया। इसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को बनाए रखते हुए संस्थान ने कुल 1,382 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। इसमें 1,055 स्नातक, 278 स्नातकोत्तर और 49 पीएचडी की उपाधियां शामिल हैं।

एनआईटी के 1,382 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां, गोल्ड-रजत सहित 54 पदक, सफलता पर किसी की झलक आईं पलकें तो कोई खुशी से उछल पड़ा

पढ़ाई के प्रति मेरी लगन ने मुझे गोल्ड मेडलिस्ट छात्र बनाया

कानपुर के रहने वाले अंकित पांडे ने एमसीए मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आज पासआउट के साथ ही दीक्षांत समारोह में मेरे गले में गोल्ड मेडल और हाथों में एमसीए की डिग्री आ गई है। मैं अपने खुशी का इजहार नहीं कर पा रहा।

यह उपलब्धि मेरे फैमिली को जाता है

डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल लाने वाली छात्रा पीआर तेजाश्री ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा कि यह उपलब्धि मेरे फैमिली को जाता है, जिन्होंने मुझे बेहतर शिक्षा ग्रहण करने का पूरा संसाधन उपलब्ध कराया। गोल्ड मेडलिस्ट बनकर बहुत खुश हूं।

10 लाख रुपए सालाना पैकेज पर जॉब प्लेसमेंट मिला

शहर के कोटा निवासी अभिनव कुमार निराला एम-टेक में गोल्डमेडलिस्ट बने हैं। मेरा ऑन कैंपस सलेक्शन एलसीई पुणे और ऑफ कैंपस प्लेसमेंट एसआईईएमईएनएस एनर्जी में हुआ है, जहां 10 लाख रुपए सालाना पैकेज पर प्लेसमेंट जॉब कर रहा हूं।

12 लाख रुपए की ईयरली पैकेज पर जॉब कर रही हूं

तेलंगाना की बिंदु सामला ने एम-टेक इन आईटी संकाय में गोल्डमेडल अर्जित की है। सामला बताती हैं कि कड़ी मेहनत से पढ़ाई कर यह मुकाम हासिल की है। शिक्षकों और परिवार का आभारी रहूंगी। मुझे अपनी मेहनत पर गर्व है। वर्तमान में मैं एचसीएल कंपनी में 12 लाख रुपए की ईयरली पैकेज पर जॉब कर रही हूं।

रायपुर। डिग्री सहित उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 54 पदक छात्र-छात्राओं को प्रदान किया गया। इनमें 27 स्वर्ण और 27 रजत पदक शामिल हैं। 13 स्वर्ण और 12 रजत पदक बीटेक और बी. आर्क के श्रेष्ठ विद्यार्थियों तथा 14 स्वर्ण और 15 रजत पदक एमसीए, एमएससी और एमटेक के मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। संस्थान का सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार, बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की आर्या श्रीवास्तव को प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के हाथों गोल्ड मेडल व उपाधियां छात्र-छात्राओं को प्रदान की गईं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीआरडीओ के पूर्व चेयरमैन डॉ. जी सतीश रेड्डी सहित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष तथा निदेशक द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. सुरेश हावरे (

अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, एनआईटी रायपुर) ने की। इस अवसर पर प्रो. एनवी रमना राव, निदेशक, एनआईटी रायपुर, सेनेट, बीओजी के सदस्य, प्राध्यापकगण, प्रशासनिक अधिकारी, अभिभावक एवं स्नातक विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ निदेशक प्रो. एन. वी. रमना राव के स्वागत भाषण से हुआ। डॉ. सुरेश हावरे (अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस अवसर को अत्यंत विशिष्ट और गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए एनआईटी रायपुर को देश के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में से एक कहा। उन्होंने निदेशक प्रो. एनवी रमना राव को एक मेहनती, ईमानदार और दूरदर्शी बताते हुए सभी स्नातकों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

10 लाख रुपए का पैकेज छोड़ कर रहा यूपीएससी की तैयारी

सूरजपुर जिले के किसान का बेटा भोजप्रताप राजवाड़े ने माइनिंग संकाय में गोल्ड मेडल व डिग्री हासिल की है। भोजप्रताप राजवाड़े ने बताया कि उनका जेएसड्ब्लू कंपनी कर्नाटक में 10 लाख रूपए सालाना पैकेज में प्लेसमेंट हुआ था, उसे छोड़कर यूपीएससी की तैयारी में जुट गया हूं।

बेंगलुरू की कंपनी में 19 लाख रुपए पैकेज में हुआ प्लेसमेंट

बिहार के भागलपुर के रहने वाले कुमार उत्सव ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल व डिग्री प्राप्त की है। कुमार उत्सव ने बताया कि उनका बेंगलुरू की कंपनी एसएएनडीआईएसके में 19 लाख रुपए के सालाना पैकेज में जॉब कर रहा हूं।

छग शासन फोरेस्ट विभाग में जॉब कर रही हूं

रायपुर खरोरा निवासी पूजा साहू ने एमटेक संकाय में गोल्ड मेडल व डिग्री हासिल की है। पूजा ने बताया कि वह वर्तमान में फोरेस्ट डिपार्टमेंट छग शासन में जॉब कर रही हैं। वह एनआईटी में 2023 से 2025 तक अध्ययनरत रहीं। एमटेक डिपार्टमेंट से गोल्डमेडलिस्ट बन आज पासआउट हुई हूं।

स्नेहल बनी बायो बीटेक में गोल्ड मेडलिस्ट

बीटेक बायोटेक्नोलॉजी में एमपी छिंदवाड़ा की स्नेहल भूते ने गोल्ड मेडल व डिग्री प्राप्त की है। वह दीक्षांत समारोह में अपने माता-पिता व छोटे भाई के साथ पहुंचीं। उन्होंने बताया कि आईआईटी रूड़की में रिसर्च इंटर्न कर रही हैं। इसके साथ ही इंडिया एआई कंपनी में जॉब भी कर रही हैं।

संस्थान का सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार आर्या श्रीवास्तव को

संस्थान का सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की आर्या श्रीवास्तव को प्रदान किया गया। आर्या श्रीवास्तव ने कहा कि वह इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं। यह मेरे परिवार और मेरे लिए गर्व का पल है। यह मेरे भविष्य को स्वर्णिम बनाने वाला क्षण है।

शादी फंक्शन में सबसे अलग दिखने महिलाएं कर रहीं थीम बेस्ड ड्रेस, ज्वेलरी और मेकअप का विशेष ध्यान

हल्दी सेरेमनी पर फ्लोरल आउटफिट्स, फूलों की ज्वेलरी पीले-ऑरेंज गजरे देंगे फोटोजेनिक इंस्टा-परफेक्ट लुक

कार्नर न्यूज

रायपुर। शादी का हर फंक्शन अपनी अलग रौनक रखता है, लेकिन हल्दी सेरेमनी की बात ही कुछ और होती है। इस दिन हर कोना चमक उठता है, पीले रंग की खुशबू और हंसी से। चाहे दुल्हन हों या ब्राइड्समेड, हर कोई चाहता है कि हल्दी फंक्शन में उनका लुक सबसे हटकर और ट्रेंडिंग दिखे। अगर आप भी सोच रही हैं कि अपने हल्दी फंक्शन के लिए क्या पहनें जो सबका ध्यान खींच ले तो हल्दी फंक्शन में फ्लोरल आउटफिट परफेक्ट रहेगा। यह लेटेस्ट और स्टाइलिश हल्दी लुक्स पूरे फंक्शन को बना देंगे इंस्टा-परफेक्ट। शहर की ड्रेस डिजाइनर पूजा अरोरा बताती है कि फ्लोरल आउटफिट्स हल्दी फंक्शन के लिए सबसे फ्रेश और खुशमिजाज लुक देंगी। पीले या पेस्टल रंगों के फ्लोरल लहंगे और शरारे फोटो में बहुत खूबसूरत लगते हैं। इनसे लुक नेचुरल और ब्राइट दिखता है। फ्लावर ज्वेलरी और हल्का मेकअप इस लुक को पूरा कर देता है। अगर ट्रेडिशनल लुक में मॉडर्न ट्विस्ट चाहती हैं तो को-ऑर्ड सेट परफेक्ट ऑप्शन हैं। ये हल्के होते हैं, जिससे पूरे दिन आराम

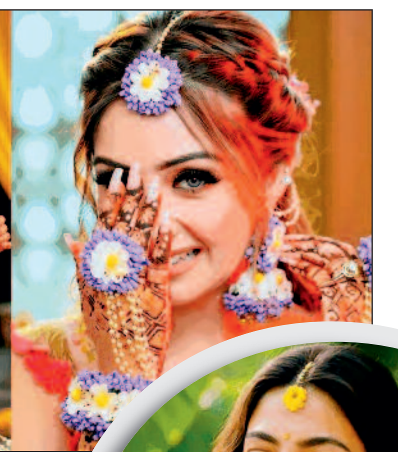

बना रहता है। येलो या मस्टर्ड शेड चुनें, जो फंक्शन की वाइब से मैच करें। खुले बाल और मिनिमल ज्वेलरी के साथ यह लुक और भी ट्रेंडी दिखेगा। ड्रेप साड़ी पारंपरिक होने के साथ-साथ बहुत स्टाइलिश लगती है। अगर कुछ अलग ट्राय करना चाहती हैं तो बेल्टेड या प्री-ड्रेप साड़ी पहनें। यह पहनने में आसान और ग्लोइंग फोटोशूट के लिए परफेक्ट है। हाइलाइटेड मेकअप और फंकी झुमके इस लुक को और निखार देंगे। हल्दी के दिन एक्सेसरीज आपके लुक को पूरा करती हैं। फूलों की ज्वेलरी, पीले-ऑरेंज गजरे और कलरफुल चूड़ियां हमेशा खूबसूरत दिखती हैं। माथापट्टी या पायल से एक पारंपरिक टच दे सकती हैं। ये छोटे टच पूरे लुक को फोटोजेनिक और यादगार बना देंगे।

शादियों के सीजन में परफेक्ट आउटफिट कर रही तलाश

फैशन हाउस संचालिका मेघा राजपूत बताती है कि ब्राइडल व उनकी सहेलियां शादी फंक्शन के हर लम्हें को खूबसूरत बनाना नहीं छोड़ रही हैं। ऐसे में शहर के मार्केट में शादी के हर रस्म के लिए परपेक्ट आउटफिट तलाश रही हैं, ताकि फोटो क्लीक के हर फ्रेम हमेशा यादगार बन जाए। इसके लिए ब्राइडल्स व गर्ल्स के लिए फैशन हाउस में फ्लोरल आउटफिट्स हल्दी फंक्शन के लिए अच्छ ऑप्शन है। इसके अलावा बेल्टेड या प्री-ड्रेप साड़ी पहनें। यह ड्रेप साड़ी पारंपरिक होने के साथ-साथ बहुत स्टाइलिश लगती है।

कलरफुल चूड़ियां हमेशा खूबसूरत दिखती हैं

गोलबाजार में आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप की संचालिका भूमिका चौहान बताती है कि हल्दी रस्म के लिए हाइलाइटेड मेकअप और फंकी झुमके इस लुक को और निखार देंगे। हल्दी के दिन यह एक्सेसरीज लुक को परफेक्ट बनाएगा। फूलों की ज्वेलरी, पीले-ऑरेंज गजरे और कलरफुल चूड़ियां हमेशा खूबसूरत दिखती हैं। माथापट्टी या पायल से एक पारंपरिक टच दे सकती हैं।

सिटी लाइव

इंग्लैंड में बसे मनोज का संस्था ने किया सम्मान, लोगों के बीच साझा की यादें

रायपुर। भले ही अंग्रेजों ने भारत पर ढाई सौ साल तक राज किया, लेकिन आज उनके देश ब्रिटेन में भारतीयों का हर क्षेत्रों में दबदबा है। इंग्लैंड में भारतीय लोगों के जाने की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुई। जब उस देश को बहुत नुकसान हुआ और उसके निर्माण के लिए उन्हें लोगों की ज़रूरत थी, तब पहली बार बड़ी संख्या में भारतीय वहां कामगार के रूप में गए। इसके बाद कई बार ऐसे अवसर बना, जब वहां भारतीयों का जाना हुआ। जब अफ्रीकी देश युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन ने वहां रहने वाले भारतीयों का देश निकाला किया, तब भी बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग वहां जाकर बसे। कुछ वर्ष पहले जब भारतवंशी ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बने, तब भी उदारवादिता के चलते भारत से लोगों का जाना हुआ। एक संस्था द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में यह बात लंदनवासी प्रवासी छत्तीसगढ़िया मनीष तिवारी ने सम्मान प्राप्त करने के बाद कही।

एक छत्तीसगढ़ी लोककथा का किया वाचन

इस कड़ी में राज्य पुरस्कार से अलंकृत प्रो. चितरंजन कर और राकेश तिवारी को भी सम्मानित किया गया। प्रो. कर ने छत्तीसगढ़ी साहित्य के क्रमिक इतिहास का जिक्र अपने संबोधन में किया और पंडित सुन्दर लाल शर्मा के अवदान की सम्मान के साथ चर्चा की। राकेश तिवारी ने अपने विशेष अंदाज़ में एक छत्तीसगढ़ी लोककथा का वाचन किया, जिससे सभी उपस्थित लोग अभिभूत हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. संकेत ठाकुर ने की। समारोह में साहित्यकार, चिंतक और अध्येता मौजूद थे। इनमें प्रो. रमेन्द्र नाथ मिश्र, गिरीश पंकज, रामेश्वर शर्मा, अशोक तिवारी, सुधीर शर्मा, शकुंतला तरार, जसवंत क्लाडियस ने शिरकत की।

आउटडोर स्टेडियम में बाइक रेसिंग चैम्पियनशिप, 9 से 40 साल तक के राइडर्स ने दिखाए बाइक पर करतब

हवा में स्टंट... राइडर्स ने उबड़-खाबड़ ट्रैक पर उछाली बाइक

सरदार बलबीर सिंह जुनेजा आउटडोर स्टेडियम में रविवार की शाम बाइक रेसिंग चैम्पियनशिप में राइडर्स ने ऐसे-ऐसे हैरतअंगेज करतब दिखाए कि दर्शक दंग रह गए। विदेशी राइडर्स के मैदान में उतरते ही रोमांच चरम पर पहुंच गया। उन्होंने उबड़-खाबड़ जगहों पर बाइक के एक पहिए पर शानदार बैलेंस बनाते हुए ट्रैक पार किया। इसके बाद राइडर्स ने बाइक की रफ्तार बढ़ाई और करीब 50 फीट ऊंचाई तक बाइक को उछाल दिया।

रायपुर। रफ्तार के इस रोमांच में राइडर्स ने हवा में जाकर हैंडल, हाथ और बाइक तक छोड़ दी। यह दृश्य इतना रोमांचक था कि कुछ पल के लिए मैदान में सन्नाटा छा गया और करतब खत्म होते ही चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समेत विधायक व सांसद शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राइडर्स से बातचीत की। साथ ही कार्यक्रम में राइडर्स के रेस और करतब का भी आनंद लिया। शाम 6 बजे से शुरू हुई प्रतियोगिता रात 10 बजे तक जारी रही। छत्तीसगढ़ के साथ विभिन्न राज्यों और विदेशी राइडर्स ने बाइक राइडिंग कीं।

बाइक के साथ हवा में बनाया संतुलन

बाइक रेसिंग चैम्पियनशिप में राइडर्स ने रोमांच की सारी सीमाएं पार कर दीं। ट्रैक पर मौजूद बाधाओं को लांघते हुए कई राइडर्स ने 35 से 50 फीट तक की ऊंची छलांग लगाई, जिसे देखकर दर्शक उत्साह से झूम उठे। विदेशी राइडर्स ने जब 50 फीट की ऊंचाई से बाइक को हवा में उछाला तो स्टेडियम में मौजूद हर किसी की निगाहें आसमान पर टिक गईं। हवा में खुद को बाइक से अलग करते हुए राइडर्स ने ऐसा अद्भुत संतुलन बनाया कि दर्शकों की तालियां देर तक गूंजती रहीं।

50 देशों में प्रोफेशनली स्टंट देखा चुका हूं

फिनलैंड के सबस्टन और आसट्रिया के थामस दोनों ही इस शो के खास आकर्षण हैं और 15 साल से इस क्षेत्र में हैं। सबस्टन का कहना है कि स्टंट में ताकत से ज्यादा जरूरी है संतुलन और ध्यान। उनका कहना है कि मैं 15 साल से प्रोफेशनली स्टंट कर रहा हूं। अब तक 40-50 देशों में जा चूका हूं। अब स्टंट मेरा शौक बन गया है। बस, शौक पूरा करने के लिए स्टंट करते रहता हूं। लेकिन, पूरी सेफ्टी के साथ। 'नो हेलमेट, नो राइड, नो स्टंट।'

मैं बाइक के साथ खेलती हूं

मैसूर के अरमान खान (9 वर्ष) और पुणे की रिदा सैय्यद (9 वर्ष) सबसे कम उम्र के प्रतिभागी हैं। रिदा अब तक 21 रेस में हिस्सा ले चुकी हैं और कहती हैं भाई को देखकर मैंने तय किया कि मुझे भी बाइक चलानी है। अब तो मुझे लगता है मैं बाइक के साथ खेलती हूं। मुझे खूब मजा आता है, लेकिन मैं पूरी सेफ्टी किट और हेलमेट लगाकर ही बाइक चलाती हूं। केरल के जीनेन 30 वर्षों से स्टंटिंग कर रहे हैं। वे जंपिंग में माहिर हैं। वे बताते हैं कि शो में इस्तेमाल होने वाली कुछ बाइक्स जापान से मंगाई जाती हैं।

महीनों की प्रैक्टिस से बाइक में बनाया संतुलन

रायपुर के जब्बाल साव (27वर्ष), जो पिछले तीन साल से स्टंट राइडिंग कर रहे हैं। वे कहते हैं स्टंटिंग कोई खेल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। हर ट्रिक के पीछे महीनों की प्रैक्टिस और सुरक्षा की सटीक योजना होती है।

बचपन से बाइकिंग की दीवानी

बेंगलुरु की 15 वर्षीय अलिना मंसूर अंतरराष्ट्रीय स्तर की राइडर हैं और दुबई इंटरनेशनल बाइकिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल कर चुकी हैं। अलिना ने बताया कि मैं बचपन से बाइकिंग की दीवानी हूं, पापा मोहम्मद मंसूर ने ही मुझे सिखाया।

धर्म लाइव

संत श्रीनामदेव महाराज की 755वीं जयंती पर पूजा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रायपुर। श्रीनामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा रायपुर द्वारा संत श्रीनामदेव महाराज की 755वीं जयंती पर पूजा कार्यक्रम का आयोजन रविवार को सुबह 9 बजे से कालीबाड़ी रविंद्र मंच पर किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। श्रीनामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा रायपुर के सचिव अविनाश नामदेव ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी श्रीनामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा रायपुर के युवक-युवतियों द्वारा संत श्रीनामदेव महाराज की 755वीं जयंती के अवसर पर पूजा तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के बच्चों व महिलाओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया

प्रदर्शनी में संत श्रीनामदेव महाराज की महिमा का दिव्य रूप प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर श्रीनामदेव समाज विकास परिषद जिला शाखा रायपुर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। वहीं, समाजजनों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। इस प्रकार श्रीनामदेव युवा संगठन, रायपुर के सभी सामाजिक बंधुओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

चालीहा महोत्सव है प्रभु को पाने का सबसे सरल मार्ग

रायपुर। केनाल रोड स्थित झूलेलाल मंदिर (56 फीट मूर्ति) न्यू राजेंद्र नगर में बाबा गुरमुख दास सेवा समिति के तत्वावधान में संत शिरोमणि साईं लालदास के द्वारा दिव्य सत्संग किया गया। इसमें उन्होंने भगवान झूलेलाल के चालीहे महोत्सव की महिमा बताते हुए कहा कि जल और ज्योत में भगवान झूलेलाल का वास है तथा जल और ज्योत की पूजा से भगवान झूलेलाल प्रसन्न होते हैं। जो भक्त 40 दिनों तक भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना करते हैं, उपवास रखते हैं, उन्हें मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। भगवान झूलेलाल का अवतरण 40 दिन की पूजा-अर्चना के बाद उनके आह्वान से हुआ था, इसलिए चालीहा महोत्सव की महिमा अपरंपार है। सेवादारी सुभाष बजाज, सुनील रामवानी, नरेश भोजवानी व गुरमुखदास आहूजा ने बताया कि साईंजी ने समाज के लोगों को घर में कलश रखकर, उसमें जल भर कर रखने तथा 40 दिनों तक विधिवत पूजा-अर्चना करने की जानकारी दी।

घर में ही करें भगवान झूलेलाल की सच्ची आराधना

उन्होंने यह भी बताया कि उस जल में चमत्कारिक गुण होते हैं। पूरे वर्ष तक उस जल में किसी भी तरह की खराबी नहीं आती। वह पूरी तरह से शुद्ध रहता है। यह वर्षों से समाजजनों द्वारा आजमाई हुई चीज है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान झूलेलाल के जीवन से सभी समाजजनों को प्रेरणा लेनी चाहिए। जिस तरह भगवान झूलेलाल का

अवतरण मानव मात्र की सेवा के लिए हुआ था, उसी तरह मानव सेवा को ही माधव सेवा मानकर हम भगवान झूलेलाल की सच्ची आराधना कर सकते हैं। चालीहा महोत्सव इस वर्ष 22 नवंबर से शुरू होने जा रहा है, इसका 31 दिसंबर को समापन होगा। इसके लिए अभी से तैयारी करने के लिए उन्होंने सजग किया।

खुद को तराशकर बनीं ब्यूटी क्वीन अब प्रतिभागियों को दे रहीं अनुभव

रायपुर। एसएस फाउंडेशन द्वारा दीवा ऑफ छत्तीसगढ़ सीजन-6 का भव्य आगाज किया जा रहा है। कार्यक्रम का निर्देशन कर रही शिखा साहू ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और विशेष अतिथि एवं सहयोगी के रूप में दीपक सिन्हा, निर्मल सिंह, अशोक अग्रवाल, मनीष पांडे एवं अनामिका सिंह हैं। सोमवार की देर-रात होने वाले फैशन शो में अलग-अलग केटेगरी में विनर्स का चयन किया जाएगा जूरी के रूप में प्रेणा धाबर्डे, रॉली सिंह, दीपांशी घोष, भाव्या वैष्णव और अंशु कुमारी शामिल होंगी। आयोजन का हिस्सा बनने के लिए सभी प्रतिभागी जुड़ी हैं। ग्रूमिंग सेशन, प्रश्नोत्तरी राउंड एवं टैलेंट राउंड आयोजित किए गए है। सोमवार को होने वाले आयोजन में फाइनल राउंड होगा। प्रतिभागियों ने ट्रेडिशनल एवं वेस्टर्न राउंड में अपनी प्रतिभा से जीत के भरोसे के साथ पूरा किया है। अब आत्म विश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व से सभी को प्रभावित करने की तैयारी में हैं। इस टैलेंट शो को सफल बनाने के लिए केतन अमरकर, अनिल तांडी, अमन साहू, सोमा साहू, किशन देवांगन ने प्रतिभागियों को किस तरह से चलना है, कैसे अपनी बात रखनी है।

समाज इवेंट

देवांगन नाईट सांस्कृतिक समारोह में दिखी प्रतिभाएं

रायपुर। देवांगन नाईट सांस्कृतिक महोत्सव में समाज के 25 कलाकारों ने नृत्य, गीत, संगीत आदि प्रस्तुत कर समां बांधा। बच्चों के लिए चित्र कला, निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया था। जिसका दर्शक देर रात तक गीत-संगीत का आनंद उठाते रहे। समारोह के आरंभ में समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि देवांगन नाईट सांस्कृतिक समारोह के आयोजन का उद्देश्य समाज की छुपी हुई प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित एवं सम्मानित करना है। उन्होंने कहा कि हमारे पुरोधा समाज की अमूल्य धरोहर है। उनकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन ही हमारे सच्चे पथ-प्रदर्शक है।

लोग लालच में आकर धर्मांतरण ना करें

समारोह को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य पं. संतोष राव ने कहा समाज की प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर प्रोत्साहित एवं सम्मानित करना सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि लोग लालच में आकर धर्मांतरण न करें। बल्कि अपने कुल एवं समाज की परंपरा एवं संस्कृति का सम्मान करें। समारोह को सम्मान प्राप्त विशिष्ट जनों ने भी संबोधित किया। सभी ने देवांगन समाज के पुरोधाओं के नाम पर स्थापित सामाजिक अलंकरण सम्मान प्रदान करने की सराहना की। इस अवसर पर दीपावली मिलन समारोह भी आयोजित किया गया और परमेश्वरी मंदिर प्रांगण को दीयों से सजाकर आतिशबाजी कर खुशियां मनाई गई।

ट्रेडिशनल थीम में मॉडर्न ट्विस्ट, क्रिएटिव और पर्सनलाइज्ड डेकोरेशन पहली पसंद

वेडिंग सीज़न में कपल्स को भा रही मिरर और कार्निवल थीम डेकोरेशन में दिखा नया ट्रेंड, हर रस्म को बना रहे यादगार

कार्नर न्यूज

रायपुर। कपल्स के लिए शादी का हर एक रस्म बेहद खास होता है, जहां वे अपने जीवन की अनमोल यादों को सजाने में जुटे रहते हैं। इस दौरान वे अपने परिवार में नए सदस्यों का स्वागत करते हुए, उनके साथ नई और खास यादें बनाते हैं। दूल्हा-दुल्हन के लिए उनकी शादी की तस्वीरें सबसे यादगार पल बन जाती हैं, जब वे अपने जीवन के नए सफर की शुरुआत के लिए तैयार होते हैं। इन दिनों शहर में शादियों का मौसम शुरू हो गया है। नवंबर और दिसंबर के महीनों में सैकड़ों शादियों की तैयारियां जोरों पर हैं। शादी को यादगार बनाने के लिए लोग अपनी पसंद के अनुसार डेकोरेशन थीम चुन रहे हैं, ताकि इन खूबसूरत यादों को हमेशा करीब रखा जा सके। ऐसे में शादी को यादगार बनाने दूल्हा-दुल्हन की एंट्री, संगीत, कॉकटेल नाइट, हल्दी, मेहंदी, बारात और फेरों के लिए खास थीम बेस्ड डेकोरेशन कराया जा रहा है।

वेडिंग डेकोरेशन को ट्रेंडी और इमोशनल टच

शादियों में कपल्स अब हर रस्म और इवेंट को यादगार और खास बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में वे अपने डेकोरेशन को भी ट्रेंडी और इमोशनल टच के साथ चुनते हैं। इवेंट प्लानर पीयूष देवांगन ने बताया कि इस बार मिरर वर्क एंट्री, कार्निवल थीम बेस्ट पार्टी और हल्दी पर फ्लावर डेकोरेशन का ट्रेंड है। कपल्स डेकोरेशन अपने आउटफीट्स के साथ ही तैयार करते हैं।

शादियों में कैटरिंग हुई सस्ती

इवेंट प्लानर सरोज साहू ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद शादियों में कैटरिंग की लागत में कमी आई है। पहले जहां कैटरिंग पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता था, अब वह घटकर 12 प्रतिशत हो गया है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी कैटरिंग का बिल पहले 20 हजार रुपए होता था तो वह अब केवल 12 हजार रुपए ही लग रहा। इससे कपल्स अपनी शादी के नए-नए मेन्यू शामिल कर रहे हैं।

शादियों में क्रिएटिविटी और कस्टमाइजेशन का ट्रेंड

शादियों में पहले एलईडी लाइट्स का ज्यादा इस्तेमाल होता था, अब कपल्स ट्रेडिशनल लुक को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस बदलाव के साथ शादी के डेकोरेशन में थीम-बेस्ड सजावट का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। इवेंट प्लानर सरोज साहू ने बताया, कपल्स अब कार्निवल थीम, फ्लावर थीम, नेचुरल ग्रीनरी और मिरर वर्क पर कस्टमाइजेशन के साथ स्टेज तैयार करा रहे। यह ट्रेडिशनल थीम क्रिएटिव और पर्सनलाइज्ड डेकोरेशन के साथ मेमोरेबल होता है।

फोटोग्राफी के शौकीन मेहमानों के लिए सेल्फी जोन

फोटोग्राफी के शौकीन मेहमानों के लिए शादियों में सेल्फी जोन तैयार किया जा रहा है। इसमें मेहमान शादी के यादगार पलों को कैप्चर कर सकते हैं। साथ ही अपने सोशल मीडिया पर तुरंत शेयर कर सकते हैं। ट्रेंड में टेलीफोन बूथ थीम, एलईडी वॉल, फ्लावर डेकोरेशन और बन्ना-बन्नी राजस्थानी थीम लोगों की पहली पसंद हैं। इन सेल्फी जोन्स को खासतौर पर सजाकर शादियों में क्रिएटिव और मजेदार माहौल तैयार किया जाता है।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-14 प्लेट ग्रुप क्रिकेट में रायगढ़ बना विजेता

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-14 प्लेट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को खेला गया। जिसमें रायगढ़ की टीम जांजगीर चांपा की टीम को 9 विकेट से पराजित कर विजेता बनी। टॉस जांजगीर चांपा की टीम ने जीता एवं पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और पूरी टीम 70 रन बनाकर आउट हो गई। मोहम्मद असद ने 42 रन बनाएं। गेंदबाजी में रायगढ़ कप्तान चंद्र प्रकाश साहू ने पांच विकेट एवं धनंजय दास बैरागी ने चार विकेट लिए। बल्लेबाजी में रायगढ़ ने एक विकेट पर 71 रन बनाएं। धनंजय दास बैरागी ने नॉट आउट 29 रन, आरव शर्मा ने नॉट आउट 17 रन बनाए और शौर्य पांडे 17 रन बनाकर रन आउट हुए। फाइनल मैच एवं ट्रॉफी वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव अजय तिवारी थे। उन्होंने हाथों से विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। मैच के अंपायर सुनील कुमार डड़सेना एवं हरप्रीत सिंह थे। स्कोरर महेश दत्त मिश्रा थे। इस अवसर पर मैच के ऑब्जर्वर कमल घोष, अंडर-14 एवं अंडर-16 सलेक्शन कमेटी के चेयरमैन परमजीत सिंह, सिलेक्टर रोहित ध्रुव और पिच क्यूरेटर आजाद अहमद सहित खिलाड़ियों के अभिभावक एवं खेल प्रेमी जनता उपस्थित थे। संचालन विनोद देवघरे ने किया।

नेशनल जंप रोप में छत्तीसगढ़ को पहले दिन जीते 10 पदक

रायपुर। जम्प रोप फेडरेशन ऑफ़ इंडिया एवं मध्यप्रदेश एसोसिएशन के संयुक्त आयोजन में रीवा के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 7 से 9 नवंबर तक 18 वीं ऑल इंडिया राष्ट्रीय जंप रोप स्पर्धा आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ के 18 सदस्यों के दल ने प्रतियोगिता के पहले दिन ही शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण, 1 रजत एवं 4 कांस्य सहित 10 पदक पर कब्जा जमा लिया। जंप रोप एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के महासचिव अखिलेश दुबे ने बताया कि छत्तीसगढ़ टीम की ओर से पहला स्वर्ण पदक 18 वर्ष आयु वर्ग बालिका में श्रुति जनबंधु ने व्यक्तिगत इवेंट में 3 मिनट इंडोरेंस में स्वर्ण पदक दिलाया, इसी आयु वर्ग के बालक वर्ग में सिंगल रोप डबल अंडर रिले इवेंट में ऐशवर्य ठाकुर एवं शिवम राज ने 2 कांस्य पदक प्राप्त किया, एवं सिंगल रोप स्पीड रिले 4 स्वर्ण पदक शिवम राज, ईशांत वर्मा, योगेश प्रजापति, आदित्य शुक्ला ने दिलाया। अंडर 11 बालिका वर्ग में मेहविश फातिमा ने 3मिनट इंडोरेंस में कांस्य पदक जीता, अंडर 14 आयु वर्ग में अभिराज अधिकारी ने 3 मिनट इंडोरेंस में कांस्य पदक दिलाया। टीम के मुख्य कोच हिमांशु कश्यप, ऋतिक वर्मा एवं मैनेजर युक्ति दुबे हैं।

शतरंज में योगदान के लिए क्रीड़ा अलंकरण से सम्मानित हुए हेमंत

रायपुर। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा वन काष्ठागार पिथौरा में आयोजित दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर संपत अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में शतरंज खेल गतिविधियों को विशिष्ट आयाम देने के लिए शतरंज के क्षेत्र में हेमंत खुटे को क्रीड़ा अलंकरण से सम्मानित किया। इस मौके पर जनपद पंचायत पिथौरा के अध्यक्ष उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे एवं छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद अवस्थी मौजूद थे।

जूनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट के लिए चयन 14 को

भिलाई। भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के तत्वाधान में 33 वीं जूनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आगरा में 18 दिसंबर से 21 दिसंबर तक आयोजित है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट की बालक एवं बालिका टीम भी भाग लेगी। इस हेतु एक चयन स्पर्धा का आयोजन 14 नवंबर को सुबह 9:00 बजे से 11:00 तक किया जा रहा है। इस चयन स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी सचिव आजाद अहमद खान से संपर्क कर 13 नवंबर तक पंजीयन करा सकते हैं।

दिल-दिमाग के बीच दिक्कत आने पर घट सकती है सोचने-समझने की शक्ति

दिल-दिमाग का रिश्ता है बेजोड़, दिल कमजोर हुआ तो ब्रेन के लिए भी बढ़ सकती हैं मुश्किलें

ब्रिटिश वैज्ञानिकों की टीम ने एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में बताया है कि जिन लोगों को 40-50 की उम्र में हृदय स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं होती हैं, ऐसे लोगों में आगे चलकर डिमेंशिया जैसी बीमारी होने का खतरा भी अधिक हो सकता है।

दिल की बीमारियों के मामले हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़े हैं। सबसे बड़ी चिंता इसके युवा और वयस्कों में बढ़ते मामलों को लेकर है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र में ही दिल की बीमारियों के कारण संपूर्ण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर होने का जोखिम रहता है, इतना ही नहीं हृदय की बीमारियों के चलते क्वालिटी ऑफ लाइफ पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। दिल सिर्फ खून पंप करने वाला अंग नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर को ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने का भी काम करता है। यही कारण है कि जब हमारा हृदय कमजोर होता है तो इसका असर शरीर के बाकी हिस्सों जैसे दिमाग, किडनी, फेफड़े और लिवर जैसे महत्वपूर्ण अंगों पर भी पड़ता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं। इसी से संबंधित एक अध्ययन की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि जिन लोगों

को हार्ट की समस्या होती है, उन्हें भविष्य में दिमाग की बीमारियां होने का भी खतरा अधिक हो सकता है। आइए जानते हैं कि इन दोनों का आपस में क्या रिश्ता है?

हृदय रोगियों में डिमेंशिया का बढ़ जाता है खतरा

ब्रिटिश वैज्ञानिकों की टीम ने एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में बताया है कि जिन लोगों को 40-50 की उम्र में हृदय स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं होती हैं, ऐसे लोगों में आगे चलकर डिमेंशिया जैसी बीमारी होने का खतरा भी अधिक हो सकता है। वैज्ञानिक लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल सहित हृदय संबंधी जोखिम कारक न केवल हृदय को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि मस्तिष्क को खून पहुंचाने वाली छोटी-नाजुक रक्त वाहिकाओं को भी क्षति पहुंचा सकते हैं, जिसके कारण दिमाग से संबंधित बीमारी जैसे अल्जाइमर और डिमेंशिया होने का खतरा बढ़ सकता है।

हार्ट और ब्रेन के बीच कनेक्शन

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने बताया कि मध्यम आयु वर्ग के लोग जिन्हें हार्ट की समस्या होती है, ऐसे लोगों में डिमेंशिया का जोखिम अधिक देखा गया। इस आधार पर वैज्ञानिकों ने कहा, चूंकि हृदय रोगों के कारण दिल की सेहत पर भी असर हो सकता है इसलिए हृदय रोग और डिमेंशिया दोनों से बचे रहने के लिए खान-पान, व्यायाम और धूम्रपान न करने जैसे उपायों पर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देने रहने की आवश्यकता है।

ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन के मुख्य वैज्ञानिक और चिकित्सा अधिकारी, प्रोफेसर ब्रायन विलियम्स कहते हैं, यह अध्ययन हार्ट और ब्रेन के बीच महत्वपूर्ण संकेतों के बारे में जानकारी देता है। हृदय स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान

केंद्रित करने की हमारी सलाह, मस्तिष्क को भी स्वस्थ और बेहतर बनाए रखने में मददगार हो सकती है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इस अध्ययन में, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में प्रतिभागियों के खून में ट्रोपोनिन नामक प्रोटीन के स्तर की जांच की गई। यह प्रोटीन हृदय की मांसपेशियों के क्षतिग्रस्त होने पर रक्तप्रवाह में बढ़ने लगता है। जिन लोगों में हार्ट अटैक का खतरा अधिक होता है उन्हें डॉक्टर नियमित रूप से ट्रोपोनिन की जांच कराते रहने की सलाह देते रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने 45 से 69 वर्ष की आयु वाले लगभग 6,000 लोगों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड की जांच की और उनमें ये टेस्ट किया। परीक्षण के समय किसी को भी डिमेंशिया या हृदय रोग नहीं था। फिर इन लोगों पर औसतन 25 वर्षों तक नजर रखी गई और उनकी याददाश्त और सोचने की क्षमता का आकलन भी किया गया। समय के साथ इनमें से 695 लोगों में डिमेंशिया का निदान किया गया।

राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने दिलाया स्वर्ण

रायपुर। रायपुर। थाई बॉक्सिंग इण्डियन फेडरेशन (टीआईएफ) के तत्वाधान में पंजाब थाई बॉक्सिंग संघ की ओर से सीनियर, जूनियर, सब जूनियर (बालक - बालिका) वर्ग की 16वीं राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन 07 से 09 नवंबर तक अमृतसर (पंजाब) में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का 21 सदस्यों का थाई बॉक्सिंग दल शामिल हुआ।

छत्तीसगढ़ थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनीस मेमन, महासचिव लखन कुमार साहू ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अंतिम दिन रविवार को शाम तक सम्पन्न फाइनल में एकलव्य खेल परिसर-जावंगा, गीदम, दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) की पायके कवासी (सब जूनियर, 12 - 14 वर्ष, -44 केजी) ने अपने वर्ग में महाराष्ट्र की खिलाड़ी को परास्त कर छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक दिलाया जबकि श्री गुजराती स्कूल, रायपुर की पिंकी गुप्ता (जूनियर, 14 - 17 वर्ष, - 44 केजी) ने भी अपने वर्ग में महाराष्ट्र के खिलाड़ी को परास्त कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 04 खिलाड़ी फाइनल में अपने प्रतिद्वंदी से अंकों के आधार पर स्वर्ण से वंचित हुए और छत्तीसगढ़ को रजत पदक दिलाया।

▪ एकलव्य खेल परिसर दंतेवाड़ा की पायके कवासी और गुजराती स्कूल रायपुर की पिंकी गुप्ता को उपलब्धि

इस तरह छत्तीसगढ़ को अब तक 06 पदक हासिल हो चुके है और देर रात्रि तक पदकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। रजत पदक विजेता में दीपाली बघेल-रायपुर (जूनियर, 14 - 17 वर्ष, -48केजी), लच्छी कवासी - दंतेवाड़ा (सब जूनियर, 12-14 वर्ष,-36 केजी),सोमारी मरकाम-दंतेवाड़ा (सब जूनियर, 12 - 14वर्ष, - 44 केजी), रामे कवासी - दंतेवाड़ा (सब जूनियर, 12 - 14 वर्ष, - 52 केजी) शामिल हैं। क्वार्टर फाइनल के बाद देर रात्रि तक सब जूनियर, जूनियर, सीनियर वर्ग के सेमी फाइनल और फाइनल के मुकाबले हुए। चैंपियनशिप के पहले दिन 7 नवंबर को खिलाड़ियों का पंजीयन, वजन, मेडिकल, ड्रा एवं रेफरी सेमिनार हुआ।

चैंपियनशिप के दूसरे दिन 08 नवंबर को सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की क्वालीफाइंग स्पर्धा प्रारम्भ हुई। थाई बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा 16वीं राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप हेतु गठित टेक्निकल समिति में रायपुर के अनीस मेमन चीफ जज तथा एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, दंतेवाड़ा की कोच कु टिकेश्वरी साहू रेफ़री एवं जूरी के रूप में नियुक्त किये गए है। छत्तीसगढ़ प्रदेश थाई बॉक्सिंग दल के कोच/मैनेजर का दायित्व कॉकेर (उत्तर बस्तर) की नजमा परवीन कुरैशी और बालोद की भुनेश्वरी निर्वहन कर रही है।

छत्तीसगढ़ थाई बॉक्सिंग दल में बालिका खिलाड़ी लच्छी कवासी, पायके कवासी, सोमानी मरकाम, रामे कवासी (एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, गीदम, दंतेवाड़ा, दक्षिण बस्तर), प्रियंका साहू, मानसी तांडी, पिंकी गुप्ता, दीपाली बघेल (रायपुर), अंजली साहू, चिकलेश्वरी (बालोद) और बालक खिलाड़ी मंगल साय नाग एवं पप्पू कश्यप (दोनों एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, गीदम, दंतेवाड़ा, दक्षिण बस्तर), बामन कुमार सिन्हा, आयुष जसूजा, मनीष देशमुख, संयम यादव, मयंक साहू (सभी बालोद),कोच एवं मैनेजर - नजमा परवीन कुरैशी (कॉकेर) दिलेश्वरी (बालोद), फेडरेशन से आमंत्रित निर्णायक - अनीस मेमन (रायपुर) एवं टिकेश्वरी साहू (कोच-एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, गीदम, दंतेवाड़ा) शामिल हैं।

राष्ट्रीय तलवारबाजी में छत्तीसगढ़ को एक रजत और दो कांस्य पदक

रायपुर। मणिपुर की राजधानी इंफाल में 27 वीं सब जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग (तलवारबाजी) प्रतियोगिता का आयोजन 03 से 08 नवम्बर तक किया गया। जिसमे देश के विभिन्न राज्यों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया। उक्त प्रतियोगिता के एपी बालक व्यक्तिगत मुकाबले में वीर कुमार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ राज्य को रजत पदक दिलाया। वीर कुमार गुप्ता ने अपने व्यक्तिगत मुकाबले में केरला, कर्नाटक, बिहार तथा गुजरात के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को हराते हुए फायनल में प्रवेश किया। फायनल मुकाबले में मणिपुर के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी से 9–15 के स्कोर से हार कर रजत पदक हासिल किया। फॉयल बालिका व्यक्तिगत मुकाबले में स्नेहा यादव ने छत्तीसगढ़ को कांस्य पदक दिलाया। स्नेहा ने चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, मणिपुर के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को हरा कर सेमीफाइनल

में जगह बनाई, लेकिन उन्हें सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा तथा तीसरे स्थान में रहते हुए कांस्य पदक से संस्तुष्ट करना पड़ा। छत्तीसगढ़ को तीसरा एवं अंतिम पदक एपी बालक टीम ने कांस्य पदक के रूप में दिलाया। एपी बालक वर्ग में वीर कुमार गुप्ता, श्रेयांश गुप्ता, देवाशीष साहू एवं भौमिक यादव ने प्रतिनिधित्व किया। टीम ने टॉप 16 में दिल्ली की टीम को 15 -11 से हराकर क्वार्टर फईनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ ने गुजरात को संघर्षपूर्ण मैच में 45-41 से पराजित कर सेमीफइनल में प्रवेश किया। सेमीफइनल में छत्तीसगढ़ का मुकाबला हरियाणा के साथ खेला गया जिसमे छत्तीसगढ़ को 33-45 से हार का सामना करते हुए कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 28 सदस्यीय टीम ने भाग लिया जिसके मुख्य कोच शहीद हनुमान सिंह अवॉर्डी श्री व्ही.जॉनसन सोलोमन रहे। इस उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों को प्रदेश फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.प्रकाश (आईएएस), कार्यकारी अध्यक्ष सुनील रामदास अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत सिंह पटेल, महासचिव बशीर अहमद खान, संयुक्त सचिव अखिलेश दुबे, निखिल जंबुलकर, कोषाध्यक्ष राम प्रताप गुप्ता, प्रशिक्षक व्ही. जॉनसन सोलोमन, प्रवीण कुमार, मोहनीश वर्मा आदि ने बधाई दी है।

रणजी ट्रॉफी में मयंक के शानदार 121 नाबाद रन

रायपुर। बी.सी.सी.आई. की ओर से रणजी ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन 15 अक्टूबर से किया जा रहा है। जिसमें ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा मैच (08-11 नवंबर) शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में पुडुच्चेरी टीम के विरुद्ध खेला गया। पुडुच्चेरी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 136 ओवरों में 10 विकेट खोकर 377 रन बनायें। छत्तीसगढ़ की ओर से मयंक वर्मा ने रणजी ट्राफी में अपना पहला शतक लगाते हुये शानदार 121 नाबाद रन बनाये। संजित देसाई ने 69 रन बनाये। वहीं प्रारंभिक बल्लेबाज आयुष पांडे ने

45 रन बनाये तथा कप्तान अमनदीप खरे 44 रन बनाकर आउट हुये। पुडुच्चेरी की ओर से पुनित दाते तथा सागर ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन की समाप्ति तक पुडुच्चेरी ने अपनी पहली पारी में 37 ओवरों में 2 विकेट खोकर 108 रन बना लिये है। पुडुच्चेरी की ओर से पारस ने नाबाद 47 रन तथा आनंद सिंह ने नाबाद 26 रन बनाये। वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण तथा आदित्य सरवटे ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन की समाप्ति तक पुडुच्चेरी 269 रनों से पीछे हैं।

मुफ्त उपहार के चक्कर में कभी भी न करें ऐसी गलतियां, वरना आपका बैंक खाता खाली होने में नहीं लगेगी देर

इन दिनों साइबर ठगी का जाल समाज के हर हिस्से में फैल चुका है।खास तौर पर त्यौहारों के मौके पर जालसाज आपको ठगने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। जालसाज लोगों को बोनस प्वाइंट, उपहार, लॉटरी, कैशबैक देने जैसे तरीके अपनाकर ठग लेते हैं। वहीं, किसी मुफ्त उपहार के चक्कर में तो बिल्कुल न पड़े। इसलिए त्यौहारों पर आपको कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना है, ताकि आप फ्रॉड का शिकार होने से बच सकें।

मुफ्त उपहार से बचकर

अगर आपके पास भी कोई ऐसा मैसेज आता है, ईमेल आता है या कॉल आता है, जिसमें कहा जाता है कि आपकी लॉटरी लगी है तो ध्यान रखें कि ये फेक मैसेज हो सकते हैं। जालसाज आपको अपनी बातों में फंसाकर आपके साथ ठगी कर सकते हैं।

लोन वाले मैसेज से बचकर

आपके पास कोई ऐसा मैसेज आ सकता है, जिसमें आपको प्री-अप्रूड लोन दिया जा रहा हो। पर ध्यान रखें कि इन मैसेज पर विश्वास करने से पहले अपने बैंक से जरूर कंफर्म करें कि क्या सच में आपको कोई लोन का ऑफर मिला है या नहीं।

फर्जी बैंक कॉल से बचकर

जालसाज आपको बैंक अधिकारी बनकर कॉल कर सकते हैं और आपको दिवाली के नाम पर कई ऑफर्स के नाम पर ठग सकते हैं। इसलिए कभी भी ऐसे कॉल पर अपनी कोई भी जानकारी शेयर न करें और सीधे बैंक से संपर्क करें।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

इलेक्ट्रीक स्कूटर खरीदो साथ में आकर्षक उपहार पाओ
आसान किस्तों में 0% डाउनपेमेंट में BAJAJ FINSERV
लिथीयम आयरन बैटरी में 3 साल की बैटरी वारंटी मात्र 36000/- से स्टार्ट
MRP 6700/-
Free Gift
SHREE SHYAM MOTORS
Ringroad Raipura Chowk, Sunder Nagar, Raipur (C.G.)
9039772000, 8962772000, 9229221744

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

A VENUE THAT FEEDS Dreams and Delights to Your Guests
22 Rooms Fully Loaded with Modern Amenities
Deluxe Rooms - 11
Executive Balcony - 11
A PLACE THAT Compliments Your Events!
In-House Catering
In-House Decor
Pure Veg Restaurant
Banquet Hall Cap: 50 - 250 Person
Ample Number of Car Parking Space
SHREEJI INN HOTEL Restaurant-Banquet Hall
WE ORAGANISE: Marriage Functions,Corporate Events, Birthday Party, Kitty Party & More...
BOOKING NOW +91 93297 44444
Ring Road - 1, Infront of Shyam Petrol Pump, Near Kushalpur Chowk, Raipur (C.G.)

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।
संपर्क करें
मो. 6263818152, 7067183593

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

भारत में चौथी बार कॉन्सर्ट करने आ रहे रैपर पिटबुल, इन शहरों में देंगे लाइव परफॉर्मेंस

अंतरराष्ट्रीय रैपर और सिंगर पिटबुल दिसंबर महीने में एक बार फिर भारतीय दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करने आ रहे हैं। 'मिस्टर वर्ल्डवाइड' के नाम से मशहूर पिटबुल अपने नए टूर 'आई एम बैक' के तहत भारत के दो बड़े शहरों- गुरुग्राम और हैदराबाद में परफॉर्म करेंगे। इस म्यूजिकल टूर की शुरुआत 6 दिसंबर को गुरुग्राम के हुडा ग्राउंड से होगी, जिसके बाद 8 दिसंबर को पिटबुल हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में परफॉर्म करेंगे। इस खबर की जानकारी बुक माय शो ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर दी, जिसमें लिखा गया- 'भारत तैयार हो जाइए, मिस्टर वर्ल्डवाइड फिर लौट रहे हैं।'

पिटबुल का असली नाम आर्मांडो क्रिश्चियन पेरेज है। दुनिया भर में वह अपने हिट गानों 'टिंबर', 'होटल रूम सर्विस' और 'नो लो ट्राटेस' के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने भारत में इससे पहले 2011, 2017 और 2019 में परफॉर्म किया था और हर बार उनके कॉन्सर्ट्स में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था। उनके गानों की खासियत उनकी ऊर्जावान बीट्स और डांस म्यूजिक है, जो हर बार स्टेज को जोश से भर देती हैं। भारतीय दर्शकों के बीच पिटबुल का म्यूजिक पहले से ही काफी लोकप्रिय है। भारत में परफॉर्मेंस के बाद पिटबुल 11 दिसंबर को बहरीन में अपने अगले शो के लिए जाएंगे, जो अल दाना एम्फीथिएटर, साखिर में आयोजित होगा। संगीत प्रेमियों के लिए यह दिसंबर का महीना बेहद खास होने वाला है। टिकटों की बिक्री 25 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और माना जा रहा है कि सभी टिकटें कुछ ही घंटों में बिक जाएंगी।

पिटबुल अपने हर शो में भारतीय फैंस के साथ जुड़ाव दिखाते हैं। उनका कहना है कि भारत का प्यार और यहां के दर्शकों की ऊर्जा उन्हें बार-बार वापस आने पर मजबूर करती है। गुरुग्राम और हैदराबाद दोनों शहरों के म्यूजिक प्रेमियों के लिए यह मौका यादगार बन सकता है, जब 'मिस्टर वर्ल्डवाइड' खुद मंच पर उतरकर अपनी धुनों से सबको थिरकने पर मजबूर कर देंगे।

टॉलीवुड

रिलीज हुआ 'जन नायकन' का पहला गाना, जबरदस्त डांस करते नजर आए थलपति विजय

थलपति विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' का पहला गाना आज रिलीज हो गया है। गाने का टाइटल 'थलपति कचेरी' है। इसे अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। गाने में थलपति विजय जोशीला डांस कर रहे हैं। इसमें फिल्म के कई दृश्य भी दिखाए गए हैं।

गाने के रिलीज होने के बाद तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख के प्रशंसक मदुरै की सड़कों पर जश्न मनाते देखे गए। कई लोग विजय के पोस्टर पहने हुए गाने पर नाच रहे थे, जिससे गाने की रिलीज किसी उत्सव से कम नहीं लग रही थी। गाने की कोरियोग्राफी शेखर ने की है। गाने के वीडियो में विजय के मशहूर डांस मूव्स शामिल हैं।

बुधवार शाम को अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' का एक नया पोस्टर जारी किया गया। पोस्टर में, विजय समर्थकों की भीड़ के बीच आत्मविश्वास से खड़े दिखाई दे रहे हैं। नीले रंग की शर्ट और चश्मे में, वह जबरदस्त लग रहे थे। कई लोगों ने उनके ऊपर हाथ रखा हुआ था। इसी साल विजय के जन्मदिन पर 'जन नायकन' के निर्माताओं ने फिल्म का पहला टीजर रिलीज किया था। 65 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत विजय की आवाज से होती है, 'तुम लोग मेरे दिल में जिंदा रहोगे।' इसके बाद, अभिनेता पुलिस की वर्दी में, लाठी पकड़े हुए युद्ध जैसे माहौल में चलते हुए दिखाई दिए।

भोजपुरी

दिव्या को टुकुर टुकुर देख कल्लू के दिल की बजी घंटी, बोले- लागेलु जलपरी नियन

भोजपुरी सिनेमा और संगीत की दुनिया के युवा स्टाटर अरविंद अकेला कल्लू की अपनी फैन फॉलोइंग है। उनके गाने खासकर यंग जनरेशन को बहुत पसंद आते हैं। कल्लूट अपने अंदाज में रैप भी करते हैं और आइटम नंबर्स में भी उनका अपना जोर है। इसी कड़ी में अब उनका नया गाना 'जलपरी नियन' भी आया है, जो यूट्यूब पर टॉप ट्रेंड में है। खबर लिखे जाने तक इस गाने को 3.40 लाख से अधकि बार देखा जा चुका है। 11 हजार से अधिक लाइक्सम मिल चुके हैं और 500 से अधकि कॉमेंट्स से माहौल बना हुआ है। 'जलपरी नियन' गाना अपने नाम के अनुरूप ही हसीना की तारीफ और उसकी अदाओं से घायल दीवाने की बानगी है। इस गाने को अरविंद अकेला कल्लू ने जहां सेंसेशनल भोजपुरी सिंगर शल्पिीद राज के साथ गाया है, वहीं इसके म्यूजिक वीडियो में दिव्यान रालहन अपनी अदाओं का जलवा दिखा रही हैं। करीब तीन मिनट लंबा यह गाना और इसका म्यूनजिक ऐसा है, जो आपको झूमने पर मजबूर कर देता है। खासकर दिव्याी का अंदाज मदमस्तइ कर देने वाला है। इस गाने 'जलपरी नियन' के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत प्रियांशु सिंह ने दिया है। गीत के बोल में कल्लू को दिव्या की खूबसूरती पर फिदा दिखाया गया है। गाने की शुरुआत जहां दिलकश संगीत से होती है, वहीं इसमें दिव्या् उनसे कहती हैं।

शाही अंदाज़

2025 में भी डबल दुपट्टे का चलन दुल्हनों के फैशन में छाया है। एक दुपट्टा पारंपरिक तरीके से सिर पर पहना जाता है और दूसरा कंट्रास्टिंग शेड में कंधों पर डालकर टेक्सचर और ड्रामा जोड़ता है। अलग-अलग रंगों और कपड़ों जैसे वेलवेट या ऑर्गेंजा दुपट्टे पर बारीक काम करके आप अपने आउटफिट को अपनी शादी के दिन के लिए और भी परफेक्ट बना सकते हैं। यह बेहतरीन ट्रेंड आपके ब्राइडल लुक को और भी गहराई और लेयर्स देता है और आपके वेडिंग लहंगे को और भी खूबसूरत बनाता है।

लाइफ स्टाइल

बदलते मौसम में फटने लगे हैं होंठ तो उठाएं यह कदम

नवम्बर का महीना चल रहा है। ऐसे में सर्दियों ने दस्तक दे दी है। होंठों को भी त्वचा की ही तरह बदलते मौसम में अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है। अगर नारियल के तेल से मिलने वाले फायदों की बात करें तो इसमें ओमेगा-3 होता है जो कि आपकी स्किन में अंदर से नमी को लॉक करता है।

इसके साथ ही ये एक तरह के हीलर की तरह काम करता है, जो होंठों के लिए काफी फायदेमंद होता है। अगर आप नारियल के तेल से अपने होंठों पर मसाज करेंगे तो इससे आपको फायदा जरूर मिलेगा। इससे लिए सबसे पहले टूथ ब्रश को गीला करें और हल्के हाथ से होंठों को रगड़ें। इससे होंठों की डेड स्किन निकल जाएगी।

अगर आप जल्दी फटे होंठों से राहत पाना चाहते हैं तो नारियल के तेल में हल्का सा जैतून का तेल मिलाएं। अब इसे आप हर रोज सोने से पहले अपने होंठों पर लगा सकते हैं। जिस तरह ज्यादातर लोग लिप बाम का इस्तेमाल करते हैं, ठीक उसी तरह से आप भी नारियल के तेल को लिप बाम की तरह अपने होंठों पर लगा सकते हैं। इससे आपको फायदा जरूर मिलेगा।

दिखाना है जलवा तो पहन सकती हैं इस तरह की डिजाइनर साड़ियां

त्यौहार हर विवाहित महिला के लिए बेहद खास होता है। भारतीय विवाहित त्यौहारों को मनाना कभी नहीं भूलतीं। अपने हर त्यौहार को खास बनाने के लिए महिलाएं कई श्रृंगार करती हैं और नई-नई साड़ी पहनती हैं। आज कुछ डिजाइनर साड़ी पर बात की जाए। ये सभी साड़ियां आपको आसानी से बाजारों में मिल जाएंगी।

सीक्वेन साड़ी

अगर आप किसी खास त्यौहार पर ग्लैमरस दिखना चाहती हैं तो इस तरह की सीक्वेन साड़ी कैरी करें। ये देखने में काफी प्यारी लगती हैं।

सिल्क साड़ी

अगर शादी के बाद ससुराल में आपका पहला त्यौहार है तो लाल रंग की सिल्क की साड़ी आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। ये देखने में बेहद खूबसूरत लगती है।

रफल साड़ी

इस तरह की साड़ी आपको किसी डिजाइनर शोरूम पर ही मिलेगी। ऐसी साड़ियां काफी क्लासी लगती हैं। आप इन्हें ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट

अगर आप कुछ सिंपल पहनना चाह रही हैं तो इस तरह की फ्लोरल प्रिंट की साड़ी आपके लिए परफेक्ट है। ये देखने में भी काफी खूबसूरत लगती है।

शिफॉन साड़ी

अगर आपको लाल साड़ी ही पहननी तो हैवी ब्लाउज के साथ इस तरह की शिफॉन की साड़ी आप पहन सकती हैं। इसे पहनकर आपका लुक निखर कर सामने आएगा।

आर्गेंजा साड़ी

इस तरह की साड़ियां काफी हल्की होती है लेकिन इन्हें कैरी करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, इन्हें पहनते वक्त आपको कई पिन की जरूरत पड़ेगी। वरना ये खिसकती रहेगी।

फेस्टिव आउटफिट्स के साथ खूब जचेंगे लिपस्टिक के ये खास शेड्स

कई बार जल्दबाजी में तैयार होते समय हम अपने लिए लिपस्टिक के सही कलर नहीं चुन पाते हैं और इसी के कारण अपने लुक को बिगाड़ लेते हैं। तो कुछ ऐसे लिप शेड्स जिन्हें आप खास इस फेस्टिव सीजन के लिए कर सकती हैं ट्राई और लगा सकती हैं अपने लुक में चार चांद।

अगर आप बोल्ड कलर के शेड्स लगाना पसंद करती हैं तो रेड फैमिली शेड में से मैरून कलर को चुन सकती हैं। हालांकि मैरून कलर में भी कई शेड्स आपको मिल जाएंगे, लेकिन आप किसी भी कलर को चुनने से पहले अपनी स्किन टोन का खास ख्याल रखें। बाकी यह कलर लगभग हर स्किन टाइप पर खूबसूरत नजर आता है।

वहीं अगर आप मैट कलर से बोर हो गई हैं और ग्लॉसी लुक की तरफ जाना चाहती हैं तो इस तरह से किसी भी न्यूट्रल कलर की लिपस्टिक लगाकर होंठों पर ग्लॉस का इस्तेमाल कर सकती हैं। लुक को आकर्षक बनाने के लिए आप बेस मेकअप पर भी थोड़ा बहुत ध्यान जरूर दें।

आजकल ब्राउन कलर की लिपस्टिक को काफी पसंद किया जाने लगा है और यह कलर लगभग हर स्किन टोन पर खूबसूरत नजर आता है। वहीं इस कलर पैलेट में आपको न्यूड शेड्स से लेकर डार्क और बोल्ड लुक देने वाले भी ब्राउन कलर आसानी से मिल जाएंगे।

ब्लश पिंक लिपस्टिक कलर खासकर फेयर स्किन टोन पर खूबसूरत नजर आता है। वहीं इस लिप कलर को आप हल्का-फुल्का बेस मेकअप करके ही होंठों पर लगाएं। ऐसा करने से आपका चेहरा बेहद खिला हुआ नजर आने लगेगा। साथ ही ब्लश के लिए भी आप ब्लश पिंक कलर को ही चुनें।

आसान विधि से घर पर तैयार करें बॉडी लोशन

सर्दिया शुरू होते ही लोगों को त्वचा से संबंधी दिक्कतें काफी परेशान करने लगती हैं। भले ही सर्दियों का मौसम हर किसी को पसंद आता हो, लेकिन इसी मौसम में हर कोई अपनी रूखी त्वचा से काफी परेशान रहता है। इसके लिए बहुत से लोग बाजार में मिलने वाले बॉडी लोशन इस्तेमाल करते हैं।

बाजार में आज के समय हर स्किन टाइप के हिसाब से बॉडी लोशन मिलते हैं लेकिन कई बार ऐसा होता है कि ये बहुत से लोगों को सूट नहीं करते। बहुत से लोग इन बॉडी लोशन को इस्तेमाल करने से बचते हैं। ऐसे में आप चाहें तो घर पर ही बॉडी लोशन तैयार कर सकते हैं। घर पर तैयार किया गया बॉडी लोशन केमिकल रहित होगा, ऐसे में इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा पर किसी तरह का खतरा नहीं मंडराएगा।

घर पर बॉडी लोशन बनाने के लिए सबसे पहले एक डबल बॉयलर में शिया बटर, कोकोआ बटर, नारियल तेल और जोजोबा या बादाम तेल को डालें। इन सभी को पिघलाते हुए लगातार चलाते रहें, ताकि सभी चीजें अच्छी तरह से मिक्स हो जाएं।

इसके बाद जब सभी चीजें पिघल जाएं और अच्छी तरह मिल जाएं, तब इस मिश्रण को आंच से हटा लें। आंच से हटाने के बाद इसमें आवश्यक तेल की बूंदें डालें और अच्छे से मिलाएं। यदि तेल अच्छी तरह से

मिक्स नहीं होगा, तो पूरे मिश्रण में इसकी खुशबू नहीं आएगी। इसके बाद अब मिश्रण को फ्रीजर में 10-15 मिनट के लिए रखें।

बस ध्यान रखें कि ये पूरी तरह से जमकर टाइट न हो जाए। हल्का जमने पर इसे फ्रीजर से निकालें और फिर हैंड मिक्सर या व्हिस्क की मदद से फेंटें। इससे बॉडी लोशन का टेक्चर बिगड़ जाएगा।

बस अब आपका बॉडी लोशन तैयार है। इसे एक साफ जार में रखें। यह लोशन कमरे के तापमान पर कई हफ्तों तक ताजा रहेगा। आप इस लोशन को रोज नहाने के बाद अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं। यह त्वचा को हाइड्रेट करेगा और उसे मुलायम बनाएगा।

कार्नर न्यूज

परफेक्ट लुक के लिए जैकेट को करें नए तरीके से स्टाइल

जैकेट को स्टाइल करने का अलग-अलग होता है ढंग, इससे आपका 'फैशन गेम' होगा परफेक्ट

जैकेट पहनना सबको ही पसंद होता है। इसलिए तो तकरीबन हर किसी के पास एक जैकेट होती ही है। आपके पास भी होगी। लेकिन इस जैकेट को पहनने के बाद आपका लुक भी परफेक्ट होता है क्या?

अगर नहीं तो कुछ खास ड्रेसिंग टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। ये वो टिप्स हैं जो जैकेट को स्टाइल करना सिखाएंगे। ये बताएंगे कि आप किन-किन तरीकों से जैकेट को बेहतर स्टाइल कर सकते हैं। इन टिप्स के साथ आपका फैशन गेम परफेक्ट होगा इस बात की गारंटी है-

वैसे एक्सपर्ट की मानें तो जैकेट हर ड्रेस के साथ अच्छी लगती ही है। बस शर्त इतनी है कि ड्रेस कैजुअल होनी चाहिए और ओवर साइज़ भी।

गर्मी के लिए जैकेट को स्टाइल करना है तो आपकी स्ट्राइप वाली शर्ट को लुक में शामिल कर लीजिए। इसके साथ आप कैजुअल और हॉलिडे मोड में आ जाएंगे। लेकिन इसके साथ नार्मल पैंट या जींस की जगह चीनोस पहनिए आपका लुक बेस्ट आएगा।

जब आपको स्मार्ट कैजुअल लुक चाहिए हो तो आप फॉर्मल पैंट

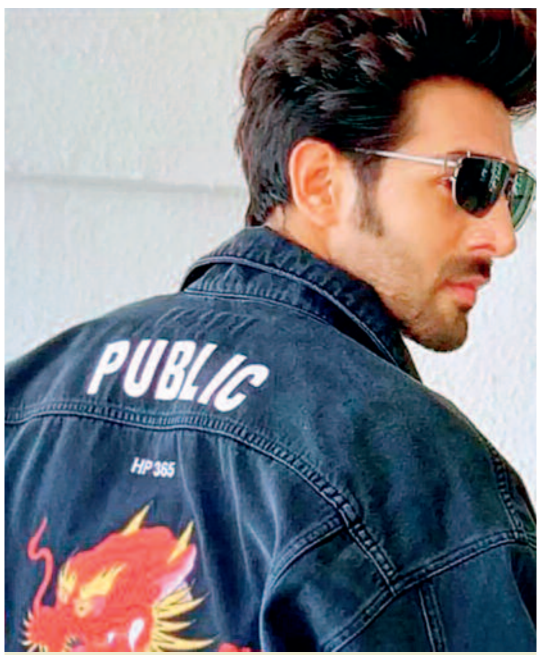

के साथ जैकेट को मैच करें, लुक अच्छा दिखेगा।

जैकेट के साथ सफ़ेद टीशर्ट का कॉम्बो तो आपको पता ही होगा। इसे जरूर ट्राई करें बस लोअर में जींस न पहनकर ब्लैक पैंट ही पहनें।

शॉर्ट के साथ भी डेनिम जैकेट पहनी जा सकती है। इसके लिए स्नीकर और प्रिंटेड शर्ट को इसका साथी बनाइए और देखिए, ये लुक कैसे दोस्तों के बीच आपको पॉपुलर कर देता है, देखिएगा।